संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -231 शनिवार ,22 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दिल्ली हाईकोर्ट से केजरीवाल को लगा जबरदस्त झटका

» हाईकोर्ट ने जमानत पर लगाई रोक...

» एक दिन पहले ही स्पेशल कोर्ट से मिली थी बेल...

नई दिल्ली 21 जून 2024 (ए)। शराब घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निचली अदालत से मिली जमानत पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई तक जमानत पर रोक लगाई है। ईडी ने केजरीवाल की जमानत पर रिहाई के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। ईडी ने अपनी एसएलपी में कहा है कि जांच के महत्वपूर्ण पड़ाव पर केजरीवाल को रिहा करने से जांच पर असर पड़ेगा क्योंकि केजरीवाल मुख्यमंत्री जैसे अहम पद पर हैं।

इस पर हाईकोर्ट ने केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी की उस दलील को ठुकरा दिया है,जिसमें कहा गया कि याचिका पर जल्द सुनवाई की जरूरत नहीं है। इस बीच जस्टिस सुधीर जैन ने कहा कि जब तक हाईकोर्ट में सुनवाई लंबित है, तब तक निचली अदालत का आदेश प्रभावी नहीं होगा। बता दें केजरीवाल को एक दिन पहले गुरुवार को ही निचली अदालत से जमानत मिली थी, जिसके विरोध में ईडी ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था।

बता दें कि इस मामले पर जस्टिस सुधीर कुमार जैन और रविंदर डुडेजा की अवकाश पीठ सुनवाई कर रही है। ईडी की तरफ से पेश वकील ने कहा कि निचली अदालत में हमें इस मामले पर बहस करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। एएसजी राजू ने कहा कि हमें लिखित में जवाब दाखिल करने तक का समय नहीं दिया गया। यह बिल्कुल भी उचित नहीं है। ईडी ने पीएमएलए की धारा 45 का हवाला दिया है। एएसजी राजू ने कहा कि हमारा मामला काफी मजबूत है. उन्होंने सिंघवी की मौजूदगी का विरोध किया।

इससे पहले ईडी के वकील ने आज ही हाईकोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की थी। ईड की तरफ से एएसजी राजू और वकील जोएब हुसैन हाईकोर्ट मे मौजूद रहे। दिल्ली हाईकोर्ट में केजरीवाल की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौजूद रहे।

अरविंद केजरीवाल के साथ आतंकवादी जैसा व्यवहार किया जा रहा:सुनीता केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के साथ अब आतंकवादी जैसा व्यवहार किया जा रहा है। सुनीता केजरीवाल ने आज केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि कल ही मुख्यमंत्री को बेल मिली थी। कोर्ट का बेल ऑर्डर अपलोड होने से पहले ईडी दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गई। वो अब ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे केजरीवाल आतंकवादी हों। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि यहां तानाशाही चल रही है। आशा करते हैं हाईकोर्ट न्याय करेगा।

दिल्ली सीएम को मिली बेल को ईडी द्वारा हाईकोर्ट में चुनौती देने के बाद केजरीवाल की पत्नी ने कहा कि तानाशाही ने सारी हदें पार कर दी हैं।

अभी हाईकोर्ट से फैसला आना बाकी है. हमें उम्मीद है कि हाईकोर्ट न्याय करेगा। दिल्ली में जारी जल संकट के समाधान के लिए आज से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी दिल्ली की मंत्री आतिशी के साथ पहुंची सुनीता केजरीवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार से अपील करने के लिए दिल्ली की मंत्री आतिशी अनिश्चितकालीन समय के लिए 'सत्याग्रह' करने जा रही हैं। वे कुछ नहीं खाएंगी और सिर्फ पानी पीएंगी। वे दिल्ली की प्यासी जनता के लिए ऐसा कर रही हैं।

सीएम केजरीवाल की जमानत पर फैसला सुरक्षित

ईडी की याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद हाईकोर्ट के जस्टिस सुधीर कुमार जैन और जस्टिस रविंदर डुडेजा की पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। पीठ ने कहा कि अगले कुछ दिन में इस पर निर्णय दिया जाएगा। हालांकि ईडी की याचिका पर आदेश तक हाईकोर्ट ने बेल आर्डर पर अमल करने पर रोक लगा दी है।

सीबीआई का खुलासा,एग्जाम से एक दिन पहले पेपर हुआ लीक

» डार्कनेट पर किया गया था अपलोड

»5-10 हजार में टेलीग्राम से बिका यूजीसी-नेट का पेपर?

नई दिल्ली 21 जून 2024 (ए)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के जरिए करवाई जाने वाली यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। इसे लेकर काफी ज्यादा विवाद खड़ा हुआ है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि उन्हें गृह मंत्रालय के जरिए एग्जाम में गड़बड़ी की जानकारी मिली थी, जिसके बाद पेपर रद्द किया गया। वहीं, इस मामले की जांच कर रही सीबीआई के हाथ बड़ी जानकारी लगी है। सीबीआई ने अपनी जांच के बाद कहा है कि यूजीसी-नेट का पेपर लीक हुआ था। एग्जाम से पहले पेपर को डार्कनेट पर अपलोड किया गया था। सरकार ने पेपर रद्द करने के बाद इसकी जांच की जिम्मेदारी सीबीआई को सौंपी है।सीबीआई को शुरुआती जांच में पता चला है कि प्रश्न पेपर सोमवार (17 जून) को लीक हुआ था, जिसके बाद उसे एंक्रिप्टेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाला गया था। पकड़े जाने से बचने के लिए आरोपियों ने लीक प्रश्न पेपर को डार्कनेट पर डाला था। सीबीआई केस से जुड़ी डिटेल्स इकट्ठा करने के लिए एनटीए और अन्य एजेंसियों के संपर्क में है।

5 से 10 हजार रूपये में बेचे गए प्रश्न पत्र

उधर सूत्र बताते हैं कि सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म टेलीग्राम के जरिए पेपर लीक किया गया था और एक दिन पहले ही पेपर के लिए कीमत मांगी जाने लगी थी।टेलीग्राम पर प्रश्नपत्र के स्क्रीनशॉट और कई लिंक पोस्ट किए जा रहे थे। बाद में शिक्षा मंत्रालय ने जब उनको पेपर से मैच कराया तो यह सेम निकला। 14 सी के अधिकारियों से हवाले से इस रिपोर्ट में बताया गया कि यूजीसी-नेट के प्रश्न पेपर टेलीग्राम पर 5 हजार रुपये में बेचे जा रहे थे। अधिकारियों को एक अन्य ग्रूप के बारे में पता चला था जिसपर 10 हजार रुपये में प्रश्न पत्र को बेचा जा रहा था। परीक्षा के एक दिन पहले ही कई ग्रुप पर पेपर उपलब्ध था।

सूत्रों का कहना है कि टेलिग्राम ही पेपर लीक का एपिसेंटर बनकर सामने आया है। शिक्षा मंत्रालय को कई ऐसे लिंक दिए गए थे जिनपर पेपर बेचे जा रहे थे। हालांकि इस बात का अब तक पता नहीं चला है कि टेलिग्राम ग्रुप वालों को पेपर कहां से मिले। आशंका है कि डार्क वेब के जरिए ये पेपर जुटाए गए। सोशल मीडिया ऐप पर एनईटी के पेपर के बारे में जानकारी भेजी जा रही थी। जब इसके बारे में पता चला तो इसे शिक्षा मंत्रालय को सौंप दिया गया।

यूजीसी-नेट की नई तारीख का जल्द होगा ऐलान

वहीं, शिक्षा मंत्रालय ने गुरुवार (20 जून) को कहा कि यूजीसी-नेट परीक्षा का आयोजन फिर से किया जाएगा। इसके लिए तारीखों समेत अन्य जरूरी चीजों का ऐलान अलग से किया जाएगा। यूजीसी-नेट एग्जाम के माध्यम से भारतीयों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और देश की यूनिवर्सिटी एवं कॉलेजों में पीएचडी में एडमिशन के लिए एलिजिबिलिटी निर्धारित की जाती है। हर साल लाखों की संख्या में छात्र इस एग्जाम में बैठते हैं।

श्रीनगर में पीएम मोदी का योगाभ्यास

» पहाड़ों से लेकर समंदर तक योगा...

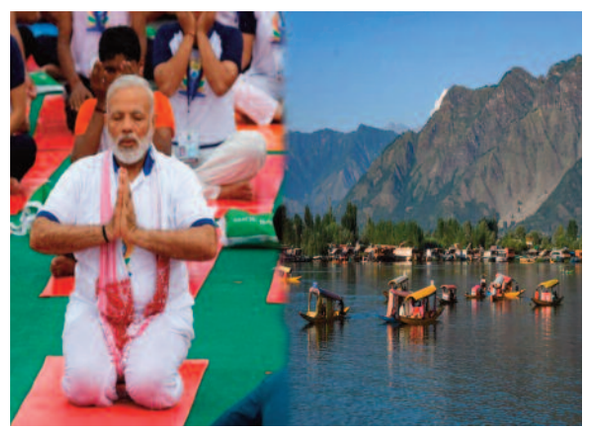

नई दिल्ली,21 जून 2024 (ए)। 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरी दुनिया में योगाभ्यास को लेकर उत्साह दिखने को मिला। भारतीय सुरक्षाबलों और आम लोगों ने हिमालय की पड़ाहियों से लेकर समुद्र के पानी तक पर योगाभ्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीनगर में योग दिवस के राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस दौरान मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर योग साधना की भूमि है। आज दुनियाभर के नेता योग की बात करते हैं। पीएम मोदी ने डल झील के किनारे स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में योगाभ्यास किया। तीसरी बार पीएम बनने के बाद मोदी का यह पहला जम्मू-कश्मीर दौरा है। पहले दिन गुरुवार को उन्होंने युवा उद्यमियों से चर्चा की थी।

योग दिवस कार्यक्रम के बाद लोगों के बीच पहुंच गए पीएम मोदी

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर शहर में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को लोगों के बीच पहुंच गए और उनसे बातचीत की। बारिश के चलते योग का कार्यक्रम शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में कराया गया। योग कार्यक्रम की अगुवाई खुद पीएम मोदी ने की। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कन्वेंशन सेंटर के लॉन में पीएम मोदी पहुंच गए जहां करीब 40 मिनट तक उन्होंने लोगों से बात की।प्रधानमंत्री जब लोगों से बातचीत करने के लिए बाहर आए तो बारिश भी रुक गई।

जब वे लोगों के बीच से गुजरे तो लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। पंक्तियों के बीच से चलते हुए वो कई बार रुके और लोगों के अभिवादन का मुस्कुरा कर जवाब दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान कुछ युवाओं के साथ सेल्फी भी ली

श्रीनगर में सुबह हुई बारिश के बावजूद योग दिवस समारोह शानदार तरीके से मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार के ऐतिहासिक कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर से 50,000 से 60,000 लोगों की भागीदारी पर खुशी जताई।

नए अध्यक्ष के चुनाव तक प्रोटेम स्पीकर संभालेगा सदन

» कांग्रेस नेता को भी मिल सकती है ये जिम्मेदारी...इन नामों पर हो रही है चर्चा

नई दिल्ली 21 जून 2024 (ए)। नई लोकसभा के लिए हुए चुनाव के नतीजे आने और सरकार बनने के बाद 18 वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होने जा रहा है। इसी दौरान सदन के लिए नया स्पीकर भी चुना जाना है। कहा जा रहा है कि अध्यक्ष पद के लिए चुनाव 26 जून को हो सकता है। लेकिन इससे पहले सदन की कार्यवाही चलाने के लिए प्रो-टेम स्पीकर को संभालेगा।

सूत्रों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि लोकसभा के सबसे पुराने मेंबर कांग्रेस नेता कोडिकुन्निल सुरेश प्रो-टेम स्पीकर का पद संभाल सकते हैं। कोडिकुन्निल सुरेश अब तक 7 बार सांसद बन चुके हैं। साथ ही साल 2012 से 2014 तक सेंटर के श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री रहे के सुरेश, केरल की मवेलिक्कारा सीट पर साल 1989 से जीतते आए हैं। प्रोटेम स्पीकर पद के लिए फग्गन सिंह कुलस्ते, राधामोहन सिंह, भर्तृहरि महताब और मनसुखभाई वसावा का नाम भी चर्चा में है।

एयरलाइन की मुश्किलें बढ़ीं

» एफएसएसएआई ने नोटिस किया जारी,

» गलती सुधारने के लिए मिली 15 दिन की मोहलत

नई दिल्ली 21 जून 2024 (ए)। टाटा ग्रूप की एयर इंडिया एयरलाइन एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल,एयरलाइन कंपनी को एसएसएआई ने एक फ्लाइट में खाने के सामान में ब्लेड जैसी चीज पाए जाने के मामले में सुधार नोटिस जारी किया। एफएसएसएआई ने एयरलाइन कंपनी को गलती सुधारने के लिए 15 दिन की मोहलत भी दी है। बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में एक यात्री को परोसे गए खाने में ब्लेड जैसी वास्तु मिली थी। इससे पहले भी कई बार फ्लाइट में पैसेंजर्स द्वारा खाने की घटिया क्वालिटी को लेकर शिकायत की है। खाने के सामान में ब्लेड जैसी वस्तु मिलने के बाद यह नोटिस जारी किया गया।खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत यदि खाद्य कारोबार से जुड़ा परिचालक किसी भी नियम का पालन करने में विफल रहा है और उसे उचित अवधि के भीतर जरूरी कदम उठाने आवश्यकता है, उसे सुधार नोटिस जारी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनी को 15 दिन के भीतर नोटिस का अनुपालन करने के लिए कहा गया है।

एक गांव में एक साथ जलीं 24 चिताएं

तमिलनाडु शराब कांड में मरने वालों की संख्या 47 हुई, 30 की हालत अब भी गंभीर

करुणापुरम,21 जून 2024 (ए)। शराब कांड में मरने वालों में अकेले करुणापुरम गांव के 24 लोग हैं। इन सभी लोगों का गुरुवार को अंतिम संस्कार किया गया। गावं से, जब एक साथ 24 लाशें घरों से निकली तो हर किसी का कलेजा फट पड़ा। पूरे गांवों के लोगों के आंखों में सिर्फ आंसू थे और उनके मन में हिलोरे मारता एक सवाल कि- हमारी क्या गलती थी?तमिलनाडु शराब कांड में मरने वालों की संख्या 47 हो गई है। वहीं 100 से ज्यादा लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती है, जिनमें से 30 लोगों की हालत अब भी गंभीर है और इन लोगों की हालत को देखते हुए साफ कहा जा सकता है कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है।

गिलटारी रोड पर गिरी हिमाचल परिवहन निगम की बस

» चार की मौत,तीन गंभीर रूप से घायल

शिमला,21 जून 2024 (ए)। शिमला में आज सुबह एक दुःखद दुर्घटना घटी। रोहडू डिपो की हिमाचल परिवहन निगम की एक बस गिलटारी रोड से नीचे गिर गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जुब्बल तहसील के अंतर्गत कुड्डू से गिलटारी जा रही बस चार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद ही दुर्घटना का शिकार हो गई। मृतकों में बस का ड्राइवर और कंडक्टर, धनसार गांव की एक महिला और एक नेपाली नागरिक शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल तीन यात्रियों को उपचार के लिए रोहडू अस्पताल ले जाया गया है।हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ. ड्राइवर और कंडक्टर सहित कुल सात लोगों को ले जा रही बस एक खड़ी पहाड़ी से लुढ़क गई और नीचे सड़क पर रुक गई, जिससे तत्काल मृत्यु हो गई और गंभीर चोटें आईं। दो पीढ़ियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग की प्रक्रिया पर रोक लगाने से फिर किया इनकार

नई दिल्ली 21 जून 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक) 2024 में काउंसलिंग की प्रक्रिया पर रोक लगाने से फिर इनकार कर दिया और परीक्षा आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को नोटिस जारी किया। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाश पीठ ने नई याचिकाओं को लंबित याचिकाओं के साथ अटैच कर दिया है और उन पर सुनवाई के लिए आठ जुलाई की तारीख तय की है।

लेडी डॉन अन्नू एवं दो शूटर्स ने अमन पर दागी 37 गोलियां

नई दिल्ली 21 जून 2024 (ए)। दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में स्थित बर्गर किंग में हुए हत्याकांड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि मृतक अमन काले रंग की शर्ट में बैठा हुआ है। और लेडी गैंगस्टर अन्नू उसके सामने बैठी हुई है। तभी अमन के पीछे बैठे दो शूटर्स उस पर फायरिंग करनी शुरू कर देते हैं। अमन बचने के लिए कैश काउंटर के पीछे कूद जाता है, लेकिन दोनों शूटर उसका वहां भी पीछा करते हैं। इस दौरान दोनों शूटर्स 37 से ज्यादा गोलियां दाग देते हैं, जिससे अमन की मौके पर ही मौत हो जाती है।

मामला बीते मंगलवार 18 जून का है। दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में बर्गर किंग के आउटलेट में दो पक्षों में गोलीबारी की घटना होती है। पुलिस जब मौके पर पहुंचती है तो एक युवक की खून से लथपथ लाश वहां पड़ी होती है। पुलिस बर्गर किंग में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच-पड़ताल में जुटी जाती है। पहले तो पुलिस को दो पक्षों में मामूली विवाद में हुई गोलीबारी की घटना लगती है, लेकिन जब केस की परत दर परत खुलना शुरू होती तो मामला गैंगस्टर्स से जुड़ा मिलता है. इस पर पुलिस के कान खड़े हो जाते हैं.

अमन को 'हनीट्रैप' में फंसाकर मरवाया

सीसीटीवी फुटेज की जांच-पड़ताल के दौरान इस हत्याकांड की सबसे मुख्य कड़ी अन्नू पर पुलिस की निगाह टिक जाती है. पुलिस को शक था कि अमन को बर्गर किंग में हनीट्रैप के तहत बुलाया गया था, क्योंकि अमन के साथ बर्गर किंग में अन्नू भी मौजूद थी. अमन की हत्या के बाद वह बर्गर किंग से भाग गई थी. साथ ही अमन का मोबाइल और पर्स भी अपने साथ ले गई थी, क्योंकि अमन के पास से पुलिस को कुछ नहीं मिला था.

हरियाणा के रोहतक की रहने वाली है अन्नू

सूत्रों की मानें तो अन्नू हरियाणा के रोहतक की रहने वाली है. वो करीब छह महीने पहले अमेरिका में बैठे गैंगस्टर हिमांशु भाऊ से सोशल मीडिया के जरिए जुड़ गई थी. अन्नू पर जरायम की दुनिया में कदम रखने का जुनून सवार था और फिर उसने लॉरेन्स बिश्नोई नहीं बल्कि, हिमांशु भाऊ का साथ चुना. उसके बाद अन्नू ने अपना घर छोड़ दिया और अपने परिवार से नाता तोड़ दिया. अन्नू के परिवार ने बेटी के किडनैपिंग का मुकदमा भी हरियाणा में दर्ज करवा रखा है.

नाबालिग आरोपी के पिता को मिली जमानत

19 मई को हादसे में गई थी दो इंजीनियरों की जान

पुणे,21 जून 2024 (ए)। पुणे की एक अदालत ने पोर्श कार एक्सीडेंट मामले में आरोपी नाबालिग के पिता को जमानत दे दी है। आरोपी के पिता को प्राथमिक मामले में जमानत मिली है, उन पर किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 और 77 के तहत मामला दर्ज किया गया था। बता दें कि 19 मई को कथित तौर पर नाबालिग आरोपी नशे की हालत में था और काफी स्पीड से पोर्श कार पोर्श कार चला रहा था। इस दौरान कल्याणी नगर इलाके में कार से दो सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनीश अवधिया और अश्विनी कोष्टा की मौत हो गई थी।

संपादकीय

गर्मी से हाल बेहाल और जल संकट

गर्मी के कारण हाल बेहाल है। समूचा उत्तर भारत तप रहा है। बुजुर्गों की स्मृति में भी नहीं है कि उन्होंने पहले कभी इतनी प्रचंड गर्मी की लगातार मार सही हो। दिल्ली और एनसीआर जैसे क्षेत्रों से लू के कारण मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।और दूसरी तरफ जब देश की राजधानी दिल्ली में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है तो देश के जलाभाव वाले क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। जो हो रहा है, वह अनायास या अचानक नहीं हो रहा है। दुनिया भर के पर्यावरणविद् और जलवेत्ता वर्षों से इस स्थिति की आशंका के प्रति चेतावनी जारी करते रहे हैं। भारत में भी बदलते तापमान और तद्जन्य समस्याओं को लेकर लगातार अपनी बातें सामने रखते रहे हैं।पानी के संकट को लेकर और देश भर में भूजल स्तर की डरावनी गिरावट को लेकर भी चेतावनियां जारी होती रही हैं। इसका कारण खोजने के लिए अतिरिक्त अन्वेषण की जरूरत नहीं है। असंतुलित विकास की भेंट चढ़े देश के वन जंगल, निर्ममता से नष्ट किए गए स्थानिक जल स्रेत और जल संसाधनों पर तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण यह स्थिति पेश हुई है।देश भर में गांव-देहातों तक जिन छोटी-छोटी नदियों का जाल बिछा हुआ था और जो पोखर तालाब जल के संरक्षण के मुख्य वाहक होते थे, वे अब कहीं दिखाई नहीं देते। मनुष्य के अनियंत्रित लालच और हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ने स्थितियों को कई गुना जटिल किया है तिस पर राजनीतिक दलों की बेहयाई समस्या की आग में घी डालती रहती है।सबसे ज्यादा मौजूदा उदाहरण इस समय दिल्ली का है। दिल्ली में दिल्लीवासियों की कथित सेवा को समर्पित आम आदमी पार्टी की सरकार है, और केंद्र में देश हित के लिए जीने-मरने का दावा करने वाली भाजपा सरकार है और तमाशा यह है कि दोनों ही पार्टियों के प्रतिनिधि दिल्ली के जल संकट के लिए एक दूसरे पर पूरी बेशर्मी से हल्ला बोल रहे हैं।जब दिल्ली के लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं उस समय दो जिम्मेदार पार्टियों और उनकी सरकारों के इस रवैये को शर्मनाक ही कहा जा सकता है।कहने में कोई संकोच नहीं कि अगर वास्तविक समस्याओं के प्रति जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को रुख इतना गैर-जिम्मेदार है, तो देश और इसकी राजधानी को आने वाले भयानक संकटों से कोई नहीं बचा पाएगा।

आडम्बरों के घोर विरोधी थे संत कबीर

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। अपनी बात लोगों को बड़ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया। मध्यकालीन युग के इन्हीं महान कवि संत कबीर दास जी की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो इस वर्ष 22 जून को मनाई जा रही है। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत् 1455 सन् 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। संत कबीर सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, आडम्बरों की कड़ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया।

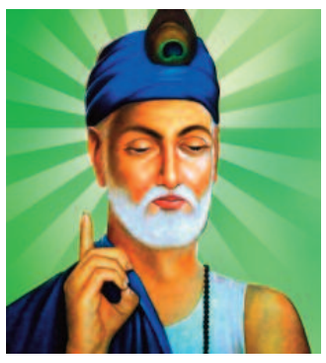

संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीरदास ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, ''महाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झगड़ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है?''

संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ! दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहेनुसार लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक्का सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनटों के बाद कबीरदास ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थोड़ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं। लेकिन कबीरदास ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है?

उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी। इसी प्रकार मेरे मीठा मंगवाने पर जब वह नमकीन देकर गई तो मैं भी उससे बहस कर सकता था लेकिन मैंने विचार किया कि संभवतः घर में कोई मीठी वस्तु नहीं होने पर ही वह नमकीन देकर गई है। आखिर गृहस्थ जीवन में ऐसे बातों को लेकर तकरार का क्या अर्थ? कबीरदास ने उसे गृहस्थ जीवन का मूल मंत्र समझाते हुए कहा कि अगर पति से कोई गलती हो जाए तो पत्नी संभाल ले और पत्नी से कोई गलती होने पर पति उसे नजरअंदाज कर दे। गृहस्थी में आपसी विश्वास से ही तालमेल बनता है और इससे विषम से विषम परिस्थिति भी स्वतः ही हल हो जाती है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मंत्रिमंडल में अनुभवी व्यक्ति समाधान कर लेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगती कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है।72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री,रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही हैं। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं। उनकी आलोचना अभी भी जारी है और वे कह रहे हैं कि मोदी गठबंधन सरकार नहीं चला पाएंगे क्योंकि उनका स्वभाव ही गैर लोकतांत्रिक है। इस तरह की विरोधी आलोचनाओं पर टिप्पणी करने की जगह हमें समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए।यह बात सही है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2001 से अभी तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में कभी बहुमतविहीन सरकार नहीं चलाया। वह जिस तरह बड़े कठोर निर्णय साहस के साथ करते रहे हैं उनका ध्यान करते हुए अनेक लोगों का मानना है कि यह स्वभाव गठबंधन सरकार चलाने के रास्ते की बाधा बन जाएगा। गठबंधन सरकार को लेकर लोग आशंकाएं उठाएंगे, लेकिन मोदी के अंदर सरकार चलाने तथा काम करने की इच्छा है।वैसे मंत्रिमंडल गठन से लेकर विभागों के बंटवारे तक यह कहना कठिन है कि प्रधानमंत्री दबाव में काम कर रहे हैं। थोड़े शब्दों में कहें तो मोदी का 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल भारत के भविष्य को लेकर उनकी योजनाओं, राजनीतिक आवश्यकताओं, साथी दलों के बीच संतुलन बनाने के साथ अनुभव, उम्र आदि के बीच समन्वय बनाने की कोशिश है। पिछली सरकार के 37 मंत्री इसमें हैं। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की स्वास्थ्य मंत्री के रूप में वापसी हुई है। सहयोगी दलों में हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 78 वर्षीय जीतन राम मांझी, जद (यू) के राजीव रंजन सिंह, तेलुगू देशम के 36 वर्षीय राममोहन नायडू, लोजपा के 41 वर्षीय चिराग पासवान और 37 साल की रक्षा खड्से जैसी सरकार की सबसे युवा मंत्री को आधार बनाएं तो कैबिनेट का चेहरा आपकी समझ में आ जाएगा। पिछली सरकार में केवल तीन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के थे।इस बार इनकी संख्या 5 हो गई है। इनमें हरियाणा से रविंदरजीत सिंह, जम्मू-कश्मीर से जितेंद्र सिंह और राजस्थान से अर्जुन राम मेघवाल की स्थिति पिछले सरकार के समान है। उत्तर प्रदेश से रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्यमंत्री बनाया गया है। पिछली बार 29 राज्य मंत्री थे, इस बार 36 हैं। मंत्रिमंडल में पांच पूर्व मुख्यमंत्री हैं। 33 मंत्री पहली बार केंद्र सरकार का हिस्सा बने हैं जिनमें सात सहयोगी दलों के हैं। इससे आगे सामाजिक संतुलन की दृष्टि से देखें तो पिछड़ी जातियों के 27, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के पांच और अल्पसंख्यक समुदाय के पांच मंत्री बनाए गए हैं। इस तरह पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के 47 मंत्री हुए। देशव्यापी प्रतिनिधित्व की दृष्टि से देखें तो इनमें 24 राज्यों का प्रतिनिधित्व है। पंजाब से भाजपा का कोई सांसद नहीं है, लेकिन रवनीत सिंह बिट्टू को राज्य मंत्री बनाया गया है। हालांकि जद (यू) ने इसका विरोध नहीं किया केवल ठीक प्रकार से विचार कर लाने की बात की थी।

-अवधेश कुमार-

ट्रेन हादसों से असामयिक मौत प्रियजनों को पीड़ा

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में गत सोमवार को बड़ा रेल हादसा हो गया। अगरतला से सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस को न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से 30 किमी. दूर रंगापानी स्टेशन के पास मालगाड़ी ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में 11 लोगों की मौत और करीब 50 लोगों से अधिक घायल हो गए। एक तरफ जहां देश में सुपर फास्ट वंदेभारत जैसी ट्रेन पटरी पर दौड़ रही हैं, रेल सेवाओं के आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन में तेजी लाने की दिशा में काम किया जा रहा है, तो रेल भिड़ंत की घटनाएं रेल सेवाओं के प्रबंधन पर सवाल उठा रही हैं।ट्रेन हादसों से जहां करोड़ों की आर्थिक क्षति होती है वहीं यात्रियों की असामयिक मौत प्रियजनों को सदैव के लिए पीड़ा दे जाती है। रेलवे सुरक्षा आयोग की 2022-23 रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार 2020-2021 में 2 गंभीर सहित कुल 22 दुर्घटनाएं, 2021-22 में 2 गंभीर सहित कुल 35 दुर्घटनाएं और 2022-23 में 4 गंभीर सहित 48 रेल दुर्घटनाएं हुई। इनमें रेलवे कर्मचारियों की गलती से 2021-22 में 15 और 2022-23 में 34 दुर्घटनाएं हुई जबकि पिछले 10 वर्ष में कुल 897 रेल दुर्घटनाएं हुई।इनमें 87 गंभीर दुर्घटनाएं रहीं। हालांकि 2013-14 के बाद से रेल दुर्घटनाओं के ग्राफ में कमी का रुझान है। दुर्घटनाओं से रेलवे संपत्ति की क्षति की बात करें तो पिछले 10 वर्ष में रेलवे को 2015-16 में 64.46 करोड़ रुपये की

सर्वाधिक क्षति हुई। 2020-21 ऐसा वर्ष रहा जिसमें सबसे कम 36 लाख क्षति रही जबकि 2021-22 में 3.15 करोड़ और 2022-23 में 55.81 करोड़ रुपये की क्षति हुई। इस घटना में रानीपतरा रेलवे स्टेशन और चत्तर हाट जंक्शन के बीच स्वचालित सिग्नल प्रणाली सुबह 5.50 बजे से खराब थी। सिग्नलिंग प्रणाली फेल होने पर स्टेशन मास्टर ने कंचनजंगा एक्सप्रेस और मालगाड़ी को टीए 912' लिखित अधिकार पत्र जारी कर लाल हुए सिग्नलों को पार करने की अनुमति दी थी।एक ही ट्रैक पर जा रही मालगाड़ी ने लापरवाही के चलते कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी। भीषण टक्कर से गार्ड डिब्बे के परखचे उड़ गए। पार्सल रैक का डिब्बा उछल कर मालगाड़ी के इंजन पर जा चढ़ा और कई डिब्बे पटरी से इधर-उधर छिटक गए। मालगाड़ी के लोको पायलट और कंचनजंगा एक्सप्रेस के गार्ड की मौत हो गई। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन एवं सीईओ जया वर्मा सिन्हा का दावा है कि प्रथम दृष्टया जांच में सामने आ रहा है कि हादसा मानवीय चूक के कारण हुआ। लोको पायलट ने सिग्नल को तोड़ा जिससे मालगाड़ी की कंचनजंगा एक्सप्रेस से जोरदार टक्कर हुई। हादसा कई प्रश्न खड़े कर रहा है कि आखिर, मालगाड़ी के लोको पायलट से यह चूक कैसे हुई ? मालगाड़ी की स्पीड इतनी तेज क्यों रही? खराब सिग्नल क्यों जल्दी से ठीक नहीं हो सका? संचालन के बीच लापरवाही का क्या कारण रहा? जिस रेल सुरक्षा कवच का डंका बजाया जा रहा था वह इस ट्रैक पर अब तक क्यों नहीं लगा?दो जून, 2023 को ओडिशा के बालासोर में कोरोमंडल एक्सप्रेस सहित तीन टेनों की टक्कर लोग भूले नहीं हैं, जिसमें 296 की मौत और करीब एक हजार लोग घायल हुए थे। 29 अक्टूबर, 2023 को आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर स्पेशल ट्रेन हादसे, विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर टक्कर और 13 यात्रियों की मौत सहित 12 अक्टूबर, 2023 को बिहार के बक्सर में रघुनाथपुर स्टेशन के समीप पटरी से उतरी कामाख्या नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस हादसे में 4 की मौत और 75 घायल की घटनाओं से रेलवे ने शायद सीख नहीं ली है। रेल हादसे न हों उसके लिए रेलवे करीब दो साल पहले सुरक्षा कवच सिस्टम लाई थी। लेकिन आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत निर्मित रेलवे का यह कवच सिस्टम बेहद धीमी गति से रेलवे मागरे पर लगाया जा रहा है। भारत में कुल 68,083 किमी. रेल नेटवर्क है। आठ साल पहले फरवरी, 2016 में इस कवच सिस्टम का पहली बार यात्री ट्रेन में लगा कर ट्रायल किया गया था। अभी तक रेलवे 1465 किमी. ट्रेन रूट पर ही कवच सिस्टम लगा सकी है। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर 2951 किमी. में कवच सिस्टम लगाने का काम बाकी है जबकि 35,736 किमी. और रेलमार्ग पर कवच सिस्टम लगाने की मंजूरी मिली है। रेलवे बोर्ड चेयरमैन का कहना है दिल्ली-गुवाहाटी में कवच लगाना अगली योजना में है। उनका दावा है कि पूरे भारत के रेलवे ट्रैक पर मिशन मोड में धीरे-धीरे कवच लगाने की योजना है। इस पर भी सवाल है कि सुरक्षा के लिए यदि कवच लगाने का काम इसी तरह धीमी चाल से चलता रहा तो पूरे 68,083 किमी. रेलवे ट्रैक पर कवच लगाने में दशकों लग जाएंगे। बड़ा सवाल यह भी है कि रेलवे द्वारा पदों की भर्ती में देरी भी इन हादसों की ओर इशारा करती है। रेलवे के पास जुलाई, 2023 तक करीब ढाई लाख पद रिक्त थे।

-अनिरुद्ध गौड़-

मैं भी कभी जुबान थी

सूर्य कुमार,
देवग्राम,
पयागपुर,
बहराइच,
उत्तरप्रदेश

मैं भी कभी जुबान थी
मैं भी कभी जुबान थी
ज़बान की ज़ुबान थी
मैं भी कभी जुबान थी
सच बोलने को तरस गयी
सच का कभी विधान थी
उसूलों का मैं ही बयान थी
मैं भी कभी जुबान थी
क्या आज ये सब हो गया
माया में मोह फँस गया
छल-कपट में धँस गयी मैं
मैं बेशक़ीमत गुमान थी
मैं भी कभी जुबान थी
हर यक़ीन की जान थी
पुरखों की आन-बान थी
अद्भुत ही मेरी शान थी
गूँगों की मैं पहचान थी
मैं भी कभी जुबान थी
दिमाग़ की तरंग थी
दिलों की मैं उमंग थी
जज़्बों का मैं ही रंग थी
जवानी की अनंग थी
जिह्वा की भाषा थी
ग़रीब की आशा थी
नेताओं का सम्मान थी
विश्वास और मान थी
मैं भी कभी जुबान थी
ज़बान मेरी मात थी
वो ही सही सौग़ात थी
इज़्ज़त उसी से थी मेरी
उसकी भी इज़्ज़त मैं ही थी
मैं भी कभी जुबान थी
इन्सान का ईमान थी
मुझसे जुड़ा समाज था
मुहब्बत का पैग़ाम थी
मुझसे बदलता देश था
शाइरों का उन्वान थी
शहीदों का सम्मान थी
क्रांति की अनुगूँज थी
इंकलाब का अंदाज़ थी
मैं भी कभी जुबान थी

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

वास्तविक दोष

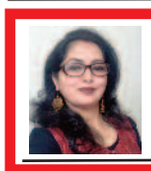

प्रीति शर्मा
असीम
नालागढ़,
हिमाचल प्रदेश

नमस्ते,आंटी जी...कैसी हो नीतिका..सब्जी की रेहड़ी पर मोहल्ले की सभी औरतें इकट्ठा हो जाती और सब्जी लेने के बहाने आपस में आसपास की चर्चा लेकर बैठ जाती। उनकी चर्चा देख ,नीतिका ने फटाफट सब्जी ली और जल्दी से वहां से निकलने की कोशिश की । अब ....यह पता नहीं...किसकी चर्चा लेकर बैठ जाएगी और सब की बातें करने लगेगी। नीतिका मन ही मन सोच रही थी । जी दीदी, आप क्या लोगे....सब्जी वाले ने नीतिका को कहा-भैया बैंगन दे दो ।निर्मला आंटी बीच में बोल पड़ी ।अरे..अरे बहन सुना क्या...बैंगन नहीं खाने चाहिए एकादशी को अगर कोई बैंगन खा ले और कहीं वह मर जाए तो वह सीधा नर्क में जाता है ।नीतिका उनकी बातें सुन रही थी और उसने बड़ी हैरानी से देखा इससे पहले की किसी और सब्जी पर टिका- टिप्पणी हो उसने फटाफट भैया को पैसे दे कर सब्जी ली और निकल पड़ी ।

लिफाफे को संभालते हुए अभी वह चल रही थी। एक और आंटी ....बोली ,हां ....हां यह सही कह रही हो ।बैंगन को तो बहुत बुरा माना गया है कि श्राद्ध में तो यह खाते ही नहीं है...ना ही खिलते हैं ।वरना बहुत पाप लगता है।

नीतिका आज बैंगन बनाने की सोच रही थी। सब्जी वाले की रेहड़ी से घर तक सब्जी लाने में ...वह बैंगन का लिफाफा उसे ऐसे लग रहा था कि पता नहीं वह आज क्या पाप उठा कर ले आई है। लेकिन अब...सोच रही थी कि बैंगन...बनाऊं या नहीं,सच में बैंगन खाने से पाप लगता है पता नहीं क्या-क्या बातें करते हैं ।उसने तो कभी नहीं सुना।एक और आंटी अपने विचार पेश करते हुए बोली...एकादशी को तो बिल्कुल ही नहीं खाते यह सब्जी ....कहते हैं यह राक्षसों के खून से पैदा हुई है ।सच में,बहन मैं तो खाती नहीं हूं मेरी तो सांस भी हरिद्वार जाकर गंगा जी में त्याग कर आई थी ;कि वह अब कभी नहीं खाएंगी ।

निकिता को सारी बातें सुनकर हंसी भी आ रही थी कि...जो सब्जी पसंद ना हो वही त्याग ले हरिद्वार जाकर। कुछ और नहीं त्याग सकती...अपनी चुगली गोष्ठी त्याग आती। निकिता ने किचन में सब्जी रखी और सब्जी को देखती रही एक बेचारे बैंगन के लिए जो किसी को कुछ नहीं कहता... कितनी बातें चली है कि बैंगन खाने से पाप लग जाता है।कहां वो सब्जियों का राजा...और मोहल्ले की औरतों ने मिल कर बजा दिया उस बेचारे बैंगन का बाजा।

नीतिका सोच में पड़ गई आए दिन आसपास हर कोई.... हर बात पर कोई ना कोई दोष बताता ही रहता है यह करो तो...वह होगा! वह करो.....तो यह होगा? यह कर दिया तो ऐसा बुरा हो गया है ।कभी-कभी उसे समझ नहीं आती कि ऐसा सच में होता है ।

सारा दिन काम करने के बाद जब भी दो घड़ी के लिए फोन लेकर बैठे तो.... फोन पर भी कुछ देखने से पहले ही यहीं अंधविश्वास आ जाता है। आपके घर में वास्तु का यह ....दोष तो नहीं इस दिशा में बिस्तर करें ।इस दिशा में करें...धनवान हो जाएंगे ।अपने घर की चीजों की दिशा इधर-उधर करके कुछ अच्छा होने के सपने देखते कि शायद घर में अब सुधार होगा उसकी जिंदगी में सुधार हो जाएगा लेकिन वह सब एक मृगतृष्णा-सा होता है वह वास्तु के आधार पर ,कभी उधर लगती कभी घर की चीजें उधर रखती लेकिन उसकी जिंदगी में कोई भी सुधार नहीं हुआ।उसे अपनी सांस और पति की चुभती बातें और खामोशी वालें लुक्स झेलने ही पढ़ते थे जैसे उसने गलती के सिवा कुछ किया ही ना हो ।

वह सोचती कि शायद अपने आसपास के वास्तु को बदलकर वह अपनी जिंदगी में कुछ बदलेगी। शायद उनका रवैया उसके प्रति कुछ बदल जाएगा। इतनी आसानी से इतना करने के बाद भी उनकी नजरों में कभी चढ़ नहीं पाई थी। सारा काम करने के बाद कभी किसी से उसका क्या मन है...जानने की कोशिश नहीं की । बस सब का काम चल रहा था लेकिन उसके अंदर घुटन भर रही थी। वास्तु के आधार पर रखकर, अच्छा होने के लिए सब कुछ करके भी कुछ भी तो नहीं बदलता । लेकिन...वास्तु कैसे दिशा निर्धारित करता है जब धरती घूमती रहती है ।कौन -सी दिशा में यह सामान रखना है। इस से क्या फर्क पड़ता है तू भी तो पागलपन करती है।

पता नही ..उस की जिंदगी में कितने दोष है।एक फेसबुक वीडियों कहता छत पर दाना डालें, पक्षियों के लिए पानी रखें इस से आप के घर में समृद्धि आयेंगी। ऐसा करती तो..तो अगले दिन फोन पर आता...कही आप छत पर दाना -पानी तो नही डाल रहे। अगर डाल रहे हैं तो इससे आपके घर में अनर्थ हो सकता है क्योंकि दाना खाने के लिए कबूतर छत पर आएंगे अगर कबूतर छत पर आएंगे तो वह खाते हुए वहां बीट भी कर सकते हैं इसलिए खाने की कोई भी वस्तु छत पर ना फेंकी क्योंकि कबूतर की बीट से हो सकता है...अनर्थ क्योंकि कबूतर को श्राप है कहा जाता है कि जब अग्नि देव और सूर्य देव कार्तिकेय का संरक्षण करने में असमर्थ होकर उसे गंगा नदी के सुपूर्द कर दिया था। तो पार्वती मां ने उनकों श्राप दिया था कि आप कबूतर हो जाओ इसलिए सभी पक्षियों को पूजा जाता है। लेकिन कबूतर को नहीं।

हद है... हर कोई मुंह उठा कर रील के चक्कर में कुछ भी बोल रहा है।फेसबुक पर आने से पहले कहाँ....थे। नीतिका ने सुन तो लिया.. फिर मन में आया। जो बरतन पानी का रखा है उसे उठा दे...अगर कोई कबूतर बीठ कर गया तो...अच्छा नहीं होता। हमारे जीवन में तो पहले से ही अशांति है।

हद है तेरी..मन ही मन खुद को कोसा। बेचारे पक्षियों का क्या दोष ।अरे....ऐसा होता तो फिर लोग अमरनाथ गुफा में कबूतर के दर्शन कर खुद को भाग्यशाली क्यों मानते ।

इसी सोच में दरवाज़े की घंटी ने उसे चौंका दिया। नमस्ते आंटी जी, तेरी अम्मा जी घर पर है।जी आंटी...अंदर है।आंटी को अम्मा जी के पास बैठा कर वो पानी लेने चली गई। वापिस आई तो दोनों ग्रहों के दोष को मिटाने के लिए पूजन हवन की बात कर रही थी। उसे देखकर चुप हो गई। नीतिका ने पानी रखा और चाय पूछ कर चली गई। उसके जाने के बाद दोनों फिर शुरू हो गई। बहन जी,रूवी के ससुराल वाले ग्रहों -पूजन को नहीं मानते

इस लिए उसे जहां बुला कर पूजन करवाना है।इस बार रूवी के घर कोई अच्छी चीज आ जाये दो बेटियां हो गई।अब फिर से..... सारी तैयारी हो गई है। आप आ जाना कल । ठीक है... पड़ोस में किसी को नहीं कहा फिर बातें होती है... हां सही किया....ऐसी बातों में ज्यादा प्रचार अच्छा नहीं। अम्मा जी ने जबाव दिया।

रात अम्मा जी, पिता जी आपस में बातें कर रहे थे.... लेकिन रोटी देने आते- जाते मजाल है इतनी सी बात भी समझ आई हो लेकिन किसी बाबा की बात कर रहे थे.....हद है.?इन बाबाओं ने कौन -सा चमत्कार करना है।ठग रहे हैं.... इन लोगों को देने के लिए पैसे है। वैसे...कहते रहते हैं पैसे नहीं है।नीतिका सोच रही थी.... अंधविश्वास का कैसा तंत्र फैला है। किसी बाबा से .....कोई उपाय करवाने से कुछ नहीं होगा। पर दुनिया को...कौन समझाए। लगे है...एक बाबा छोड़ कर दूसरे बाबा के पीछे।

इन विचारों में गुम वह किचन में काम कर रही थी कि अम्मा जी ने नीतिका को किचन में आकर कहा आज बाबा जी आ रहे हैं। उन को खाना खिलाना है और आशीर्वाद लेना है कि बहुत पहुंचे हुए बाबा जी हैं जो मन में होता है सब बता देते हैं। सारी बातें उन्हें पहले से ही पता होती हैं..... यदि बाबा जी मन की बात और वाकि सारी बातें बता देते हैं तो जब अम्मा जी की चेन गुम गई थी तो सारा घर क्यों खंगाल रही थी.....इधर-उधर क्यों देख रही थी ।फिर भी नहीं मिली चेन । तब क्यों नहीं बाबा जी से जा कर पूछा की चेन कहां पर है।

इन सारी बातों से अब उसे चिढ़ और ऊब होती थी।किसी बात के लिए लड़ाई हो रही है, कोई काम नहीं बन रहा, लड़की की शादी नहीं हो रही, बहु अच्छी नहीं आई, बच्चा पढ़ नहीं रहा है ,बच्चे का मन नहीं लग रहा,बच्चा रो रहा है ,लड़कियां है लड़का नहीं हो रही है, बच्चे माता-पिता का सम्मान नहीं करते ,रिश्ते अच्छे नहीं चल रहे, नौकरी नहीं मिल रही, कोई टेस्ट क्लियर नहीं हो रहा हर किसी के लिए एक ही बात दोष लगा है। और दोष के लिए अनगिनत कहानियां और कहानियों के साथ अनगिनत वहम ,विश्वास और सब करने के बाद भी..... कुछ भी करने से कुछ नहीं होगा..... क्योंकि जो सुप्रीम पावर है उसने सबके लिए तय कर दिया है आप सोच सकते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि आपके करने से कुछ नहीं होगा और दोष और उसकी पहेलियां सिर्फ इस जन्म की नहीं है जन्मों तक उलझी हुई है। निकलना चाह कर भी..... आप निकल नहीं पाते। नीतिका फिर से काम में लग गयीं और सोचने लगी है कि शायद बाबा जी को खाना खिला के उसके भी कुछ दोष दूर हो जाए।।

ये कैसे साथी ?

पवन तनय
अग्रहरि अद्वितीय
शाहगंज,जौनपुर,
उत्तरप्रदेश

साथी ही करे जिन्दगी
की बरबादी
क्यों लोग हो रहे हैं
इसके आदी ?
होते हैं कभी हर पल
राजी विचारधारा ने कैसी हवा बदल दी ?
कभी हर समय को एक कर देने में
माहिर
अपने ही समय के नही
रहे साहिल
समय ने कितना बना
दिया जाहिल
जिसने भी सुना
उसका कलेजा गया हिल

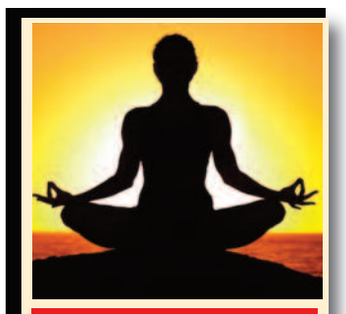

योग

श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

शरीर को स्वस्थ करता है योग
तन को मन से जोड़ता है योग
मन की एकाग्रता बढ़ाता है योग
जीवन जीने की कला है योग।
शरीर को संतुलित करता है योग
शारीरिक क्षमता बढ़ाता है योग
आध्यात्मिक परिवर्तन लाता है योग
सारे तनाव को दूर करता है योग।
शरीर को रोग मुक्त बनाता है योग
आत्मीय शांति प्रदान करता है योग
व्यवहार में परिवर्तन लाता है योग
शरीर को ऊर्जावान बनाता है योग।
आत्मविश्वास बढ़ाता है योग
विकारों को दूर करता है योग
सबल प्रदान करता है योग
सारे कष्ट को मिटाता है योग।
आत्म सम्मान प्रदान करता है योग
मानसिक शांति प्रदान करता है योग
जीवन को सुखमय बनाता है योग
हर समस्या का समाधान है योग।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जल संरक्षण

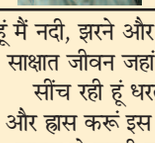

अमित
पाठक
शाकद्वीपी

हूं मैं नदी, झरने और कूप महान,
साक्षात जीवन जहां विद्यमान,
सींच रही हूं धरती को,
और ह्रास करूं इस परती को।
बादल से बरसी घनन गहन,
तो हरित किया है वाता वरण,
जल की बूंदों में सब होके मगन,
नाचे ज्यों नाचे मयूर सा मन।
कभी पोषण हो कोई वृक्ष कहीं,
कहीं बुझाऊं कोई प्यास कभी,
कभी प्रबल वेग में बहती चली,
तो दूर किए बाधायें सभी।
कभी पर्वत का सीना फाड़े,
और कदम धरती पर डारे,
कभी शिथिल शिथिल
बस बहती रही मैं,
कल कल वेगो में कुछ कहती रही मैं।
जल जीवन जग में जन्म जन्म,
इसे सहेजो तुम कदम कदम,
न इसको तुम अब दूषित करो,
तन मन धन से बस पोषित करो।
कहीं ह्रास न कर दो इस अमृत को,
संरक्षण से न विस्मृत हो,
कुछ नीति कुछ प्रयास करो,
इसे रक्षण का अभ्यास करो।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

स्वस्थ एवं निरोगी जीवन के लिए योग जरूरी : सांसद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जून 2024
(घटती-घटना)।

दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिले में विभिन्न स्थानों पर सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया गया। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा लोकसभा क्षेत्र सांसद चिंतामणी महाराज उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग हमारे भारत देश के प्राचीन सभ्यता, संस्कृति से जुड़ा है, हमारे ऋषि मुनियों ने योग किया है। आज भारत ही नहीं पूरा विश्व योग कर रहा है। हम अगर प्रतिदिन योग करें तो निश्चित रूप से स्वास्थ्य रह सकते है, इसलिए स्वस्थ एवं निरोगी जीवन के लिए योग अवश्य करें।

इस अवसर पर लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, आईजी अंकित गर्ग, कलेक्टर विलास भोस्कर,एसपी योगेश पटेल, सीईओ जिला पंचायत नूतन कंवर, अपर कलेक्टर सुनील नायक, स्थानीय पार्षद आलोक दुबे,विकास शर्मा,हरमिंदर सिंह टिन्नी,मधुसूदन शुक्ला, जिला स्तरीय अधिकारी, वरिष्ठ नागरिकगण के साथ ही स्कूली बच्चे एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक भी शामिल हुए और योग कर तन-मन से स्वस्थ रहने का संदेश दिया।

इस दौरान योग प्रशिक्षकों द्वारा योग के महत्व को बताया तथा योग को नियमित रूप से अपने जीवन मे शामिल करने प्रेरित किया। उन्होंने पद्मासन, ताड़ासन, त्रिकोणासन, हलासन, अर्धचक्रासन, वज्रासन, धनुरासन, मकरासन, नौकासन, पवन मुक्तासन, भुजंगासन, शवासन, कपाल भारती, अनुलोम-विलोम आदि का अभ्यास करवाया। इसके साथ ही कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी आदि प्राणायाम भी कराया गया।

विभिन्न स्थानों में हुआ योगाभ्यास

जिले में सभी विकासखण्डों, जनपद स्तरों एवं ग्राम पंचायतों में भी ससामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके साथ ही धार्मिक,सामाजिक और ऐतिहासिक स्थलों पर भी योग कर लोगों ने योगाभ्यास किया।

सोशल मीडिया पर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने वाला हुआ गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जून 2024
(घटती-घटना)।

अश्लील वीडियो कों वायरल करने की धमकी देकर रुपए मांगने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

प्रार्थिया 3 जून 24 कों थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि प्रार्थिया सोशल मीडिया साईट इंस्टाग्राम में अपना अकाउंट बनाकर उपयोग करती थी कि फौजी साहब एवं अमन फौजी इंस्टाग्राम आईडी प्रोफाइल के संचालक द्वारा घटना दिनांक 26 फरवरी 24 कों मैसेंजर के माध्यम से बातचीत किया गया बाद मे उक्त प्रोफाइल धारक से जानपहचान होने पर महिला से मोबाइल के जरिये बातचीत होने लगा, बातचीत होने पर उक्त प्रोफाइल धारक द्वारा प्रार्थिया कों विडिओ कॉल भी किया जाता था,वीडियो कॉल के दौरान प्रार्थिया का अश्लील वीडियो बनाकर महिला कों हमेशा बातचीत करने के लिए मजबूर करता था और बातचीत नही करने पर अश्लील वीडियो कों वायरल करने की धमकी देता था, जो आरोपी प्रोफाइल धारक द्वारा प्रार्थिया के रिस्तेदार कों अश्लील वीडियो

भेजकर अन्य सोशल मीडिया साईट मे वायरल वायरल करने की धमकी देते हुए 20 हजार रुपये की मांग किया जाने लगा, मामले मे प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 327/24 धारा 509(ख), 354 (ग),384 भा.द.वि. एवं 67 आई. टी. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा आरोपी के संबंध में सायबर सेल से आवश्यक तकनीकी जानकारी प्राप्त कर पुलिस टीम को आरोपी की गिरफ्तारी हेतु जलालाबाद पंजाब भेजा गया था, जो पुलिस टीम द्वारा आरोपी की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम रमन प्रीत सिंह उम्र 21 वर्ष साकिन पेरेगोताड़ थाना जलालाबाद जिला फजिल्का पंजाब का होना बताया जो आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ करने पर महिला का अश्लील वीडियो प्रार्थिया के रिस्तेदारो कों भेजकर लज्जा भंग करने एवं भयादोहन करना स्वीकार किया गया जो आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त मोबाइल जप्त किया गया हैं, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया हैं।

कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, उप निरीक्षक रेशम लाल साहू, आरक्षक बृजेश राय, विकास मिश्रा शामिल रहे।

स्वास्थ्य कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से स्वस्थ संबंधित कई काम प्रभावित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जून 2024
(घटती-घटना)।

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल पर जाने से स्वास्थ्य संबंधित कई काम प्रभावित हो रहे हैं। वहीं कर्मचारियों की मांग पूरी नहीं होने तक कर्मचारी अपने आंदोलन को जारी रखने की बात कह रहे हैं। दरअसल सरगुजा जिले के स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर देव होटल के पास धरना स्थल पर अनिश्चितकारी हड़ताल पर बैठ गए हैं। जहां कर्मचारियों की मांग है कि लंबित कार्याधारित मानदेय एवं शासन द्वारा निर्देशानुसार प्रतिमा 15 तारीख से पहले भुगतान और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को स्थानांतरण एवं मुख्यालय से 8 किलोमीटर के दायरे में रहने के लाभ के साथ कांकेर जिला संयोजक पवन वर्मा की बहाली की मांग शामिल है, स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल पर जाने से स्वस्थ संबंधित कई काम प्रभावित हो रहे, जिसके लिए स्वास्थ्य कर्मचारियों ने खेद व्यक्त किया है इसके साथ ही कर्मचारियों ने बताया की महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ कई बार अमानवीय व्यवहार भी किया जाता है जिस पर रोक लगाने की मांग भी स्वास्थ्य कर्मचारियों ने की है।

लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने धौरपुर क्षेत्र के शासकीय राशन दुकानों को निरस्त करने की मांग की

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जून 2024
(घटती-घटना)।

लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने धौरपुर क्षेत्र के ककनी,जोरी, पटोरा तथा अगासी पंचायत में संचालित शासकीय राशन दुकानों को निरस्त करने की मांग की है। आज लुंड्रा विधानसभा अंतर्गत ककनी, जोरी, पटोरा तथा अगासी पंचायत के ग्रामीणों के साथ लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने इन पंचायतों में हो रही राशन की कालाबाजारी का आरोप लगाते हुए कलेक्टर सरगुजा को एक ज्ञापन सौंपकर तत्काल शासकीय राशन दुकानों को निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने कलेक्टर सरगुजा को बताया कि पिछले तीन महीने से इन पंचायतों में राशन दुकान संचालकों ने आम जनता को राशन वितरित ही नहीं किया है जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने स्वयं कलेक्टर पहुंचकर किया है। उन्होंने मामले में कलेक्टर से तत्काल कार्यवाही कर जनता को राहत देने की बात कही। इस अवसर पर भाजपा धौरपुर मंडल अध्यक्ष वैभव सिंह, विजय व्यापारी, अरविंद गुप्ता, रमेश दास, अमित गुप्ता, राजू गुप्ता व दिनेश केरकेट्टा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

अभाविप ने किया यूजी नेट परीक्षा में अनियमितता के खिलाफ पुतला दहन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जून 2024
(घटती-घटना)।

अभाविप सरगुजा के कार्यकताओ द्वारा बीते दिन संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के सामने NTA की अनियमितता के चलते यूजीसी नेट परीक्षा को रद्द किया गया। इस वर्ष पीएचडी के प्रवेश भी यूजीसी नेट के स्कोर के आधार पर होने है इस कारण अभ्यर्थियों में अचानक असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। नीट युजी के परीक्षा में अनियमिता के बाद अब युजीसी नीट की परीक्षा का पिछले दिनों रद्द होना था अभाविप के जिला संयोजक उज्जवल तिवारी द्वारा बताया गया की एनटीए जैसी सरकारी संस्था के ऊपर बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है, यह स्थिति किसी भी प्रकार से स्वीकार्य नहीं है।

शिक्षा मंत्रालय एवं संबंधित एजेंसियों से इस संबंध में स्थिति की त्वरित रूप से स्पष्ट करने एवं एनटीए की सुचिता के संदर्भ में सीबीआई (CBI) जांच की मांग को लेकर विश्वविद्यालय परिसर के सामने अभाविप कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन कर NTA का पूतला दहन किया गया। जिसमे मुख्य रूप से अविनाश मंडल,रोनी मिश्रा,आस्तिक सिंह, विवेक, लक्की,खिलेंद्र रजवाड़े,ओम मिश्रा,आयुष तिवारी, नैतिक सूर्या, चांद , अंश, पृथ्वी, सत्येंद्र, आयुष , कृष्णा, पीयूष, माखन एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जल जंगल जमीन खनिज बचाने के लिए दल गठन,एक इंच भी नहीं देंगे जमीन : अमित सिंह

- संवाददाता -
बलरामपुर, 21 जून 2024
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर ब्लॉक अंतर्गत इंद्रावतीपुर कुछ कंपनियों के द्वारा खनिज का सर्वेक्षण किया जा रहा है। जिसमें ग्रामीणों ने कंपनी से सर्वे के प्रमाण मांगे जाने पर चुप्पी साध ली। कंपनी के द्वारा ग्रामीण के निजी भूमि पर चुना गिरा रहे व मशीन से सर्वे का काम शुरू कर रहे थे। जैसे ही लोगों ने देखा तो भूस्वामी के द्वारा एग्रीमेंट, पंचायत प्रस्ताव, एनओसी दिखाने को कहा। किंतु कंपनी के द्वारा कोई दस्तावेज नहीं दिखाया गया। जैसे ही लोगों ने मोबाइल कैमरा चालू किया तो उन्होंने वीडियो नहीं बनाने की सिफारिस करते हुए मौके से चले गए।

सूचना के बाद सर्व आदिवासी समाज के यूवा प्रभाग जिला अध्यक्ष व सोसल एक्टिविस्ट अमित सिंह ने मौके पर पहुंचे। लोगों ने बताया कि दो तीन सालों के अंदर कई ट्रक खनीज का उठाव हो चुका है। फिर से खनन के लिए सर्वे करने आए थे। भविष्य को देखते हुए अमित सिंह ने जल जंगल जमीन और खनीज बचाने के लिए दल का गठन किया। श्री सिंह ने कहा कि कंपनी के पास ग्राम पंचायत का एनओसी, ग्राम सभा का प्रस्ताव और निजी भूस्वामी का एग्रीमेंट नहीं है, लोगों के जमीन पर सर्वे कराना और खनीज उठाने

की तैयारी हो रही है यह गांव के लोगो की जीविका में प्रहार है। गांव के लोग खेती पर निर्भर रहते हैं दिनों दिन लोगों के पास खेती का जमीन कम होते जा रहा है जिससे लोगों की आजीविका खत्म हो जाएगा। हमारा दल जल जंगल जमीन और खनीज को बचाने के लिए सदैव तैयार रहेंगे। श्री सिंह ने संचार टुडे सीजीएमपी न्यूज़ से बात करते हुऐ बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के सड़क से 10 मीटर बगल में खनीज का उठाव हुआ है। ग्राम के कच्ची सड़क से 2 मीटर किनारे गड्ढा खोद कर खनीज का उठाव हुआ है। छत्तीसगढ राजपत्र में प्रकाशित गौण खनिज नियम 2015 के विरुद्ध है। कंपनी के खनिज उठाने के बाद 25 से 40 फिट तक गड्ढा छोड़ दिया गया है, ग्रामीण मधु सिंह के गाय गिरने से मौत हो चुका है। उस रास्ते लोगों का आवागमन बना रहता है जिससे बड़ी दुर्घटना होने शंका बना हुआ है।

बगैर सहमति किसी प्रकार नहीं होगा कार्य : सरपंच

ग्राम पंचायत के सरपंच मोहन सिंह ने कहा कि मुझे किसी प्रकार लिखित सूचना नहीं दिया गया, गांव के बगैर सहमति बिना खनीज उत्खनन, पूर्वेक्षण कार्य नहीं होगा।

ग्रामीणों के सवाल पर तहसीलदार मौन

समझाइस देने वर्तमान रामचंद्रपुर के तहसीलदार मौके पर पहुंचे थे। ग्रामीणों ने निजी भूस्वामी के बगैर एग्रीमेंट, ग्रामसभा का बगैर सहमति पर हो रहे कार्यों पर सवाल किए तो नहीं दिए जवाब। उल्टा ग्रामीणों को चमकाने लगे इससे ग्रामीण आक्रोश में आ गए, बिगड़ते माहौल देख तहसीलदार मौके से भागे।

लग्जरी कार में किम जोंग ने लिया पुतिन की ड्राइविंग का मजा,वायरल हुआ वीडियो

प्योंगयांग,21 जून 2024। यूक्रेन के साथ जंग के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में उत्तर कोरिया का दौरा किया। इस दौरान उनकी उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग के साथ मुलाकात काफी चर्चाओं में रही। खास बाद यह रही कि इस दौरान पुतिन ने किम को दोस्ती के प्रतीक के रूप में एक बेशकीमती लिमोजिन ऑरस सीनेट कार दी। इस कार को रूसी रॉल्स रायल के नाम से भी जाना जाता है। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस बेशकीमती कार को रूस के के

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चला रहे हैं और उनके बगल में किम जोंग उन बैठे हुए हैं। इस वीडियो के जरिए यह दिखाने की कोशिश की गई है कि रूस और उत्तर कोरिया के बीच नजदीकियां बढ़ रहीं हैं।

किम जोंग ने लिया पुतिन की ड्राइविंग का मजा

इस वीडियो को सबसे पहले रूस में प्रसारित किया गया। वीडियो में दिख रहा है कि काली बख्तरबंद ऑरस सीनेट लिमोजिन कार को पुतिन चला रहे हैं। दोनों नेता अपनी यात्रा के दौरान बातचीत करते हुए और हंसते हुए नजर आ रहे हैं। सितंबर 2023 में रूस में किम और पुतिन की मुलाकात हुई थी। उस दौरान पुतिन ने पुतिन ने किम को अपनी ऑरस सीनेट लिमोजिन कार दिखाई थी। इसके बाद फरवरी में पुतिन ने किम के लिए यह कार प्योंगयांग भेजी थी। अब एक बार फिर से पुतिन ने किम जोंग को यह बेशकीमती कार तोहफे में दी है। इस कार के बदले में किम ने पुतिन को स्थानीय नस्ल के पुंगसान कुत्तों का एक जोड़ा दिया है।

महंगी कारों के शौकीन हैं किम जोंग

किम जोंग के पास बहुत सारे बेशकीमती विदेशी वाहन हैं। माना जाता है कि इन वाहनों को तस्करी कर उत्तर कोरिया लाया गया है। दरअसल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया के लिए लक्जरी वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। इससे पहले किम जोंग को मेबैक लिमोसिन, मर्सिडीज, रॉल्स रॉयस फैंटम और लेक्सस स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन में देखा गया है।

दो सिख चरमपंथियों को अदालत से झटका,अब भी नहीं भर सकेंगे हवाई यात्रा,जारी रहेगा नो-फ्लाई सूची में नाम

ओटावा,21 जून 2024। कनाडा की एक अदालत ने दो सिख चरमपंथियों द्वारा देश की नो-फ्लाई सूची से खुद को हटाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। 2018 में दोनों को इस लिस्ट में शामिल किया गया था। उसका कहना है कि इस बात का उचित आधार है कि वे आतंकवाद के अपराध को अंजाम देने के लिए परिवहन सुरक्षा या हवाई यात्रा को खतरा पैदा कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भगत सिंह बराड़ और पर्वकर सिंह दुलाई चाहते थे कि सिक्योर एयर ट्रैवल एक्ट के तहत उन्हें नो-फ्लाइंग लिस्ट से हटा दिया जाए और उन्हें हवाई यात्रा करने की अनुमति मिले। हालांकि कोर्ट ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। अदालत ने कहा कि सरकार के पास इस बात को लेकर संदेह करने के लिए उचित आधार हैं कि दोनों किसी आतंकवादी घटना को अंजाम देने के लिए हवाई यात्रा करेंगे।

आपको बता दें कि इस मामले में 13 और 17 जून को सुनवाई हुई। तीन जजों की पीठ ने 19 जून को अपना फैसला सुनाया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पुलिस के अधिकारी व जवानों ने बड़े उत्साह और समर्पण के साथ किया योगाभ्यास

» **भारतीय परंपरा का अनमोल उपहार योग कर फिट रहेंगे पुलिसकर्मी**

- संवाददाता -
सूरजपुर,21 जून 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस विभाग हमेशा समाज की सेवा के लिए हर स्थिति परिस्थितियों में तत्परता के साथ अपना सारा समय देता है। इसलिए पुलिस जवानों का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है, योग से संयम और धैर्य बढ़ता है। उप पुलिस महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को पुलिस लाइन सहित जिले के सभी थाना-चौकी में पुलिस अधिकारी और जवानों ने बड़े उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में पुलिस लाईन में आयोजित योग कार्यक्रम में योग शिक्षक संजय गिरी व महिला प्रधान आरक्षक संतोषी गिरी के द्वारा पुलिस अधिकारियों व जवानों को योगाभ्यास कराया और मंत्रोच्चारण शुरू कर शिथिलीकरण के अभ्यास, खड़े होकर किए जाने वाले 5 आसन, बैठकर किए जाने वाले 7 आसन सहित कपालभाती, अनुलोम, विलोम, प्राणायाम, शीतली, भ्रामणी प्राणायाम व ध्यान के अभ्यास कराए साथ ही योग हमारे जीवन में क्या महत्व रखती है उसके बारे में विस्तार से बताया। योग दिवस के अवसर पर जिलेभर के थाना-चौकी में अधिकारी व जवानों ने योगाभ्यास किया।

योग को बढ़ावा देने एएसपी ने दिलाया शपथ

जिले के एएसपी संतोष महतो ने पुलिस अधिकारी व जवानों को योग कर निरोग रहने का संकल्प दिलाया और योगाभ्यास, अनुलोम विलोम कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया और बताया कि योग भारतीय परंपरा का एक अनमोल उपहार है। ये मस्तिष्क और शरीर का समन्वय बनाता है, योग ऐसी क्रिया है, जिसे सुबह और शाम को कभी भी आधा घंटे का समय निकालकर किया जा सकता है। योग करने से शरीर तो फिट रहेगा ही मन भी स्वस्थ होगा। इससे अपनी ड्यूटी को अच्छे से मन लगाकर कर सकेंगे। इस दौरान सीएसपी एस.एस.पैंकरा, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी,पुलिस लाईन के अधिकारी व जवान, जवानों के परिजन व बच्चे मौजूद रहे।

एन्टी करप्शन ब्यूरो ने 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते उदयपुर एसडीएम भागीरथी खाण्डे सहित 4 लोग पकड़ाए

- संवाददाता -
लखनपुर,21 जून 2024 (घटती-घटना)।

एन्टी करप्शन ब्यूरो इकाई अंबिकापुर ने उदयपुर के एसडीएम भागीरथी खाण्डे (बी.आर. खाण्डे) सहित 4 लोगों को 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। 7 मई 2024 को प्रार्थी कन्हाई राम बंजारा निवासी ग्राम जजगा वार्ड नं. 13 तहसील उदयपुर जिला सरगुजा के द्वारा एसीबी इकाई अंबिकापुर में यह शिकायत प्रस्तुत की गयी थी कि ग्राम जजगा स्थित भूमि खसरा नं. 69/31 70/1 एवं 1004/8 रकबा कमशः 0.251, 0.635 एवं 0.243 हेक्टे. जमीन उसके तथा परिवार के अन्य सदस्यों के नाम पर है तथा कई वर्षों से उस पर मकान बनाकर काबिज हैं किन्तु उसके बड़े पिता द्वारा जमीन को केवल अपने नाम पर दर्ज कराने हेतु तहसील में आवेदन प्रस्तुत किया गया था जिस पर प्रार्थी द्वारा आपत्ति दर्ज की गयी थी जिस पर तत्कालीन तहसीलदार उदयपुर के द्वारा उसके बड़े पिता, उसके तथा अन्य परिजनों के नाम पर राजस्व रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु दिनांक 21.09.2022 को आदेश किया गया था। उक्त आदेश के उपरांत उसके बड़े पिता के द्वारा पुनः दिनांक 09.11.2022 को एसडीएम उदयपुर के पास आदेश दिनांक 21.09. 2022 के विरूद्ध अपील प्रस्तुत किया गया था जिसके

संबंध में प्रकरण लंबित है। उक्त प्रकरण में उसके तथा उसके अन्य परिजनों के पक्ष में आदेश पारित करने के एवज में एसडीएम उदयपुर श्री बी.आर. खाण्डे के द्वारा 50000 रूपये रिश्वत के रूप में मांग की जा रही है किन्तु वह एसडीएम को रिश्वत न देकर उसे रंगे हाथ पकड़वाना चाहता है। एसीबी इकाई अंबिकापुर को शिकायत प्राप्त होने पर शिकायत का सत्यापन कराये जाने पर शिकायत कर्ता की शिकायत सही पायी गयी तथा एसडीएम उदयपुर श्री बी.आर. खाण्डे को रिश्वती रकम लेते वक्त पकड़ने की योजना बनायी गयी। आज दिनांक 21.06.2024 को प्रार्थी को आरोपी एसडीएम को रिश्वती रकम देने हेतु एसडीएम कार्यालय उदयपुर शाम करीब 06:00 बजे भेजा गया जिस पर प्रार्थी द्वारा रिश्वत लेन देन के संबंध में एसडीएम से चर्चा करने पर एसडीएम के द्वारा रिश्वती रकम 50000 रूपये को अपने बाबू धरमपाल को लेने हेतु कहा गया जिस पर धरमपाल के द्वारा भृत्य अबीर राम को रिश्वती रकम को अपने पास रख लेने हेतु कहा गया जिसे अबीर राम ने अपने हाथों में ले लिया तथा रिश्वती रकम लेने के पश्चात वह एसडीएम के पास जाकर बोला कि प्रार्थी कन्हाई राम से रिश्वती रकम 50000 रूपये उसने प्राप्त कर लिया है तो एसडीएम द्वारा कहा गया कि उस रकम को गार्ड नगर सैनिक कविनाथ सिंह को दे दे जिस पर भृत्य द्वारा रिश्वती रकम को एसडीएम के गार्ड नगर सैनिक कविनाथ सिंह को दे दिया गया। इसी दौरान पहले से मुस्तैद एसीबी की टीम द्वारा त्वरित ट्रेप कार्यवाही कर रिश्वती रकम को बरामद कर लिया गया तथा एसडीएम बी.आर. खाण्डे. उनके बाबू, भृत्य एवं नगर सैनिक कविनाथ सिंह को अभिरक्षा में ले लिया गया। उक्त के पकड़े जाते ही एसडीएम कार्यालय में हड़कंप मच गया। इस कार्यवाही का एक अमानवीय महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रार्थी के पक्ष में आदेश करने के एवज में आरोपी एसडीएम ने प्रार्थी एवं उसके परिजनों की ओर से ग्राम जजगा तहसील उदयपुर स्थित 50 डिसमिल जमीन को भी अपने महिला परिचितों के पक्ष में बिकी आदि करने संबंधी पावर ऑफ अटार्नी निष्पादित करा लिया था ताकि भविष्य में उक्त जमीन को अपने पक्ष में करा सके। संबंधित पावर ऑफ अटार्नी की प्रति भी एसीबी के हाथ लग गयी है। समस्त आरोपियों की संपत्तियों के संबंध में भी एसीबी के द्वारा गहन जांच प्रारंभ कर दी गयी है जो महत्वपूर्ण खुलासे होने की प्रबल संभावना है। आरोपियों के विरूद्ध धारा 7, 12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है। रिश्वत खोरों के विरूद्ध ऐसी कार्यवाही सतत जारी रहने की बात एसीबी द्वारा कही गयी है, तथा रिश्वत मांगने वालों के विरूद्ध लोगों को सामने आने की अपील भी एसीबी की ओर से की गयी है।

अभियान चलाकर की गई 112 से अधिक मुसाफिरों की जांच

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले मे बेहतर क़ानून व्यवस्था, अपराधों की रोकथाम एवं बाहरी आपराधिक तत्वों से जिले की सुरक्षा हेतु दीगर प्रान्त से जिले मे व्यवसाय करने एवं गुजर बसर करने आए मुसाफिरो संदिग्धों की जांच पड़ताल कर सभी मुसाफिरो की थाना मे मुसाफिरी थाना मे दर्ज कर फिंगरप्रिंट एवं अधतन फोटोग्राफ लेने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम मे सरगुजा पुलिस द्वारा जिला मुख्यालय सहित जिले के समस्त थाना चौकी क्षेत्र में थानावार पुलिस टीम द्वारा भीतरी कॉलोनियो एवं रिहायशी क्षेत्र, व्यवसायिक क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाई गई।

मुसाफिर चेकिंग अभियान के दौरान सरगुजा पुलिस द्वारा विभिन्न कॉलोनियो मे किराए में निवासरत एवं जगह जगह घूम कर अपना व्यवसाय एवं अन्य कार्य करने वाले कुल 112 से अधिक मुसाफिरों को तलब कर पहचान पत्र एवं अन्य दस्तावेजो की जाँच की गई, पुलिस टीम द्वारा मुसाफिरो से प्राप्त पहचान पत्र का भौतिक सत्यापन कर मकान मालिकों को मुसाफिरो से संबंधित जानकारियों को थाने में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, मुसाफिरो कों जिले मे आने पर सम्बंधित थाना मे आकर अपनी मुसाफिरी दर्ज कराने तथा अपना व्यवसाय, एवं काम करने की जगह, मोबाइल नंबर, स्थाई निवास के पहचान के लोगो की जानकारी मोबाइल नंबर आदि महत्वपूर्ण तथ्य प्रस्तुत करने के साथ ही मौक़े पर ही मुसाफिरो के फिंगरप्रिंट लिए गए,मुसाफिरो कों पुलिस टीम द्वारा क़ानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु कड़ी चेतवानी दी गई, किसी भी अनैतिक गतिविधियों/अपराधों मे शामिल होना पाये जाने पर सखूती से वैधानिक कार्यवाही किये जाने की हिदायत दी गई हैं।

बरसात से पहले 102 एंबुलेंस का हुआ ऑडिट,सुरक्षित ड्राइविंग के दिय टिप्स

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जून 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में 16 महतारी एक्सप्रेस एंबुलेंस संचालित है जो घर से अस्पताल,अस्पताल से घर और अस्पताल से अस्पताल रेफर करने पर गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को सेवा प्रदान करता है। अभी महतारी एक्सप्रेस 102 का संचालन सीएएमपी संस्था के द्वारा किया जा रहा है। नयी एंबुलेंस का संचालन करते हुए 9 माह हो चुके हैं। बरसात को देखते हुए सभी एम्बुलेंस का ऑडिट किया जा रहा है अगर कोई कमी हो तो उसे समय रहते दूर किया जा सके जिससे लोगों को सेवा देने में कोई भी परेशानी ना हो।

साथ में बरसात के मौसम में सुरक्षित और प्रभावित ड्राइविंग करने के लिए निम्नलिखित सावधानियां और दिशा निर्देशों का पालन करने के लिए चालकों को सुझाव दिया गया है। और बताया गया कि रोजाना ब्रेक टायर लाइट और वाइपर की जांच करते रहें. गति नियंत्रण का ध्यान दें,गीले रास्ते पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए गति को कम रखें गीली एवं मिट्टी युक्त सतह पर तीव्रता से ब्रेक ना लगावे, अचानक ब्रेक लगाने और तीव्र गति से मोड़ने से बचे हैं,वाहनों के बीच की दूरी बनाये रखें ताकि ब्रेकिंग में अधिक समय मिल सके, बड़े गड्ढों या पानी के जमाव वाले रास्तों से बचें इससे एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है, भारी बारिश के दौरान दृश्यता सुधारने के लिए लो और हाई बीम हेडलाइट का उपयोग करते रहें, आंधी तूफान में पेड़ के नीचे गाड़ी खड़ा ना रखें।

राजीव गांधी पीजी कॉलेज के भूगोल विभाग में भौगोलिक अनुसंधान एवं सावधानियां विषय पर व्याख्यान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 जून 2024 (घटती-घटना)।

डॉ हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर के सेवानिवृत भूगोल के पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष तथा डायरेक्टर जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के डॉ संतोष शुक्ला द्वारा राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के भूगोल विभाग में स्नातकोत्तर व शोध छात्रों एवं विभाग के प्राध्यापकों के लिए आयोजित भौगोलिक अनुसंधान एवं उसकी सावधानियां विषय पर आयोजित व्याख्यान माला में भौगोलिक अनुसंधान की प्रकृति, उसकी शोध प्रक्रिया,क्रमबद्ध अध्ययन,आनुभाविक अध्ययन,नियंत्रित अध्ययन ,तर्कपूर्ण अध्ययन, वस्तुनिष्ठता व व्यावहारिकता जैसे पक्षों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर संतोष शुक्ला का सर्वप्रथम विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के. जायसवाल ने महाविद्यालय एवं भूगोल विभाग की ओर से स्वागत उद्बोधन दिया तथा भौगोलिक अनुसंधान में उनके योगदानों पर

प्रकाश डाला।डॉ शुक्ला का परिचय करते हुए विभाग के प्राध्यापक डॉ अनिल सिन्हा ने कहा की देश के मूर्धन्य भूगोल वेत्ताओं डॉ शुक्ला का नाम अग्रणी है। उनकी अकादमी अभिरुचि एवं सक्रियता आज के नवोदित शोधकर्ताओं एवं छात्रों के लिए अनुकरणीय है। शोध प्रविधि एवं अनुसंधान की समस्याओं पर आपकी विशेषज्ञता होने के कारण निश्चय ही छात्र-छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए विभाग की प्राध्यापक श्रीमती दीपिका स्वर्णकार ने कहा कि महाविद्यालय का भूगोल विभाग प्रोफेसर संतोष शुक्ला की उपस्थिति आज गौरवान्वित है । इस अवसर पर शासकीय महाविद्यालय लखनपुर के भूगोल प्राध्यापक प्रो. प्रेमचंद यादव , गेस्ट प्राध्यापक श्री ओमकार कुशवाहा तथा स्नातकोत्तर भूगोल के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

CMYK

भाजपा जिलाध्यक्ष का पद बड़ा या
जिला पंचायत की अध्यक्ष का पद बड़ा ?

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 17 वीं किस्त वितरण के दौरान दिखी तस्वीर से खड़े हो रहे प्रश्न ?

जिलाध्यक्ष भाजपा कलेक्टर के बिल्कुल साथ बैठे हैं...वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष को मिली कुर्सी कई भाजपा पदाधिकारियों के बाद की थी!

- रवि सिंह -
कोरिया,21 जून 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में दिनांक 18 जून को कृषि विज्ञान केंद्र सलका में एक वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे देश के प्रधानमंत्री वर्चुअल रूप से शामिल हुए जो वाराणसी से कार्यक्रम में वर्चुअल शामिल थे वहीं जिले के जनप्रतिनिधियों सहित जिले के आला अधिकारियों की भी प्रत्यक्ष उपस्थिति कार्यक्रम में अपेक्षित थी। कार्यक्रम में जिले के कलेक्टर जिला पंचायत सीईओ सहित अन्य आला अधिकारी एवम कृषि विज्ञान केन्द्र से जुड़े अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए वहीं कार्यक्रम में भाजपा के जिलाध्यक्ष सहित भाजपा नेताओं की शिरकत भी नजर आई वहीं निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में कोरिया जिले की जिला पंचायत अध्यक्ष की उपस्थिति कार्यक्रम में देखी गई।

बता दें की कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष को लेकर उनके सम्मान और प्रोटोकॉल को लेकर बहुत बड़ी त्रुटि देखने को मिली जो निश्चित रूप से यह साबित कर गई की जिले में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों खासकर आदिवासी समुदाय से आने वाले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान का ध्यान नही रखा जा रहा है और जो कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भी देखी गई। जिले के कलेक्टर के रूप में मुखिया के रूप में कलेक्टर कोरिया को इस बात का कार्यक्रम में ध्यान देना था की कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित जिलेभर की अध्यक्ष त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था अंतर्गत पंचायत विभाग की उपस्थित हैं और विधायक की अनुपस्थिति में उन्हे ही कलेक्टर कोरिया की बगल की कुर्सी प्रदान की जानी थी,वहीं तत्पश्चात अन्य को पार्टी या दल के मनोनित अध्यक्ष या अन्य किसी पार्टी कार्यकर्ता को स्थान प्रदान करना था ,लेकिन कार्यक्रम में देखा यह गया की निर्वाचित साथ ही जिलेभर की जिला पंचायत अध्यक्ष को कहीं दूर बैठा दिया गया और कहीं न कहीं उन्हे उपेक्षित किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष हर स्थिति में कलेक्टर कोरिया के बगल की कुर्सी पर स्थान प्राप्त करने की हकदार थीं

बताया जाता है की जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया अत्यंत शांत एवं गंभीर प्रवृति की महिला हैं वहीं वह अत्यंत व्यवहार कुशल नेत्री हैं जिसके कारण वह इस मामले में चुप रह गई कोई तेज तर्रार नेत्री यदि उनकी जगह होता प्रशासन को वह खूब खरी खोटी सुनाता यह लोगों का कहना है। वैसे कार्यक्रम में कलेक्टर कोरिया के बिल्कुल साथ लगी कुर्सी पर भाजपा कोरिया के जिलाध्यक्ष को स्थान मिला था वहीं उनके बाद एक अन्य भाजपा नेता को स्थान मिला था फिर जाकर जिला पंचायत की अध्यक्ष को स्थान दिया गया था, प्रोटोकॉल के जानकारों की माने तो अध्यक्ष जिला पंचायत हर स्थिति में कलेक्टर कोरिया के बगल की कुर्सी पर स्थान प्राप्त करने की हकदार थीं और इस मामले में जो त्रुटि हुई है कार्यक्रम के दौरान वह निश्चित रूप से बड़ी त्रुटि है।

क्या भाजपा में प्रोटोकॉल का नहीं रखा जाता ध्यान ?

कोरिया जिले में किसान सम्मान निधि की 17 वीं किस्त का वितरण जो की वर्चुअल आयोजित कार्यक्रम में वितरित की गई के दौरान यह देखने में आया की जिला पंचायत अध्यक्ष के मान सम्मान का ख्याल नही रखा गया।बता दें की जिलाध्यक्ष भाजपा खुद कलेक्टर कोरिया की कुर्सी के बगल में बैठ गए जबकि प्रोटोकॉल अनुसार वह स्थान जिला पंचायत अध्यक्ष का होना था।

वैसे जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा की ही नेत्री हैं सदस्य हैं और भाजपा के समर्थन में वह जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं ऐसे में भाजपा के नेताओं को ही उनके मान सम्मान का खयाल रखना चाहिए जो वह नहीं रख सके और उन्हे किनारे बैठा दिया और उनको मिलने वाले प्रोटोकॉल को खुद जिलाध्यक्ष ने खुद अपने लिए रख लिया। कार्यक्रम में जिस तरह जिला पंचायत कोरिया के प्रोटोकाल से उन्हे वंचित किया गया उसको देखकर यही कहा जा सकता है की भाजपा में क्या अपने ही दल ने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान करना छोड़ चुके हैं भाजपाई क्या भाजपा में प्रोटोकाल का नही रखा जाता ध्यान क्या अनुशासित भाजपा हो चुकी है अनुशासनहीन।

कांग्रेस शासन काल से ही बिगड़ा हुआ है जिले में प्रोटोकॉल नियम जो भाजपा शासनकाल में भी सुधरने का नाम नहीं ले रहा

कांग्रेस शासनकाल से ही जिले में प्रोटोकाल नियम बिगड़ा हुआ है। वहीं जबसे नियम बिगड़ा हुआ है तबसे वह सुधरने का नाम नही ले रहा है । जिले में कांग्रेस शासनकाल में प्रायः देखा जाता था की प्रोटोकाल पालन करने को लेकर नेता विरोध दर्ज करते थे और फिर प्रशासन को प्रोटोकाल नियम में अंतिम में सुधार लाना पड़ता था जो अब भी जारी है।

बड़ी भूल है बड़ा अपमान ?

प्रोटोकॉल के जानकारों की माने तो विधायक की उपस्थिति में दाएं-बाएं की स्थिति बनाई जाती और एक तरफ फिर भी जिला पंचायत अध्यक्ष को स्थान मिलता उसके बाद ही किसी पार्टी पदाधिकारी का मनोनीत पदाधिकारी का नंबर आता। वैसे लोगों का यह भी कहना है खासकर जानकारों का की जिला पंचायत अध्यक्ष का स्थान उनके बैठक में शमील होते हुए कोई व्यवहार में भी प्राप्त कर ले यह बड़ी भूल है बड़ा अपमान है क्योंकि यह ऐसा ही है जैसे की किसी पद की कुर्सी पर बिना निर्वाचित हुए बैठ जाना या कार्यालय में किसी के जाकर उसकी कुर्सी पर बैठ जाना जिसके कार्यालय में जाना हुआ है और जबकि वहां बैठने के लिए अतिथि के लिए अलग से कुर्सी लगी हुई है। कुल मिलाकर यह भी मानना है जानकारों का की यदि प्रोटोकॉल की जानकारी अधिकारियों को नहीं थी यदि जिला पंचायत अध्यक्ष ने भी खुद जिला अध्यक्ष भाजपा को कलेक्टर कोरिया के बगल की कुर्सी पर बैठने की अनुमति दी थी तब भी जिलाध्यक्ष को नहीं बैठना था अपने क्रम और अपने लिए आरक्षित गणमान्य नागरिक वाली कुर्सी पर ही बैठना था।

आदिवासी समुदाय से हैं जिला पंचायत अध्यक्ष,पांचवी अनुसूची जिला है कोरिया जिला,आदिवासी समुदाय में भी इसको लेकर नाराजगी

बता दें की कोरिया जिला पांचवी अनुसूची जिला है वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष भी इसी नाते आदिवासी समुदाय से हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष चूंकि आदिवासी समुदाय से हैं और उनके अधिकार के साथ उन्हे समझौता करने मजबूर किया गया कहीं न कहीं और कहीं न कहीं उनका प्रोटोकाल छीना गया जिसको लेकर आदिवासी समुदाय भी नाराज है जैसा बताया जा रहा है।

संगठन के लोग अभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से ऊपर हो गए

भाजपा के संगठन में इससे पहले कभी यह नहीं देखा गया की कोई निर्वाचित जनप्रतिनिधि जिसका अपना प्रोटोकॉल होता है उसे लेकर संगठन के लोग ही उसमे बाधा डाले यां उसमे बाधा बने मिलने में। जिला पंचायत कोरिया की अध्यक्ष को जहां सबसे सामने की कुर्सी मिलनी थी वहीं उस कुर्सी पर भाजपा जिलाध्यक्ष खुद जाकर विराज गए वही उन्होंने अन्य कुर्सी पर भी भाजपा नेताओं को विराजमान करा दिया वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष को उसके बाद की कुर्सी मिल सकी। कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा की संगठन के लोगों ने बता दिया की भाजपा में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का नंबर बाद में आएगा और अब वह इसके लिए तैयार हो जाएं।

स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

- संवाददाता -
प्रतापपुर,21 जून 2024
(घटती-घटना)।

प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डा विजय सिंह सहित समस्त चिकित्सकों व नर्सेस से स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा करते हुए पिछले दिनों स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही के कारण हुई एक वनकर्मी की मौत के मामले को लेकर या ग्रामीणों की किसी प्रकार की शिकायत पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यदि भविष्य में फिर से इस तरह की कोई गंभीर लापरवाही हुई तो इसे बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की जान कीमती होती है इसलिए स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले सभी प्रकार के मरीजों व दुर्घटना में घायल हुए व्यक्तियों का उपचार बिना कोई कोताही बरते पूरी गंभीरता के साथ होना चाहिए।

उन्होंने चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों को स्वास्थ्य केंद्र की सभी व्यवस्थाओं को चौबीसों घंटे दुरुस्त रखने के कड़े निर्देश देने के साथ ही स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों की मांग पर बीएमओ डा विजय सिंह को स्वास्थ्य केंद्र में वाटर हीटर लगाने के भी निर्देश दिए। इसके उपरांत विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने स्वास्थ्य केंद्र के सभी वार्डों का जायजा लेते हुए वहां भर्ती मरीजों से उनका कुशलक्षेम जानते हुए स्वास्थ्य केंद्र द्वारा दी जा रही सुविधाओं की भी जानकारी ली।

तथा साफ सफाई सहित 24 घंटा इलाज व कार्यों में लापरवाही ना करें स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी कर्मचारी तथा प्रतापपुर विकासखंड के समस्त उप स्वास्थ्य केदो का निरीक्षण कर ग्रामीण क्षेत्रों में दवा उपलब्ध कराए ग्रामीण क्षेत्र के शिकायत वाला पर वही बरतने वाले अधिकारी कर्मचारियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा छत्तीसगढ़ सरकार का स्वास्थ्य सुविधा सर्वप्रथम है तथा इलाज में लापरवाही ना बरते तथा ग्रामीन छेत्र के अस्पताल काफी निरीक्षण करें, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो और अस्पताल 24 घंटा खुली होनी चाहिए।

कुसमी के भी लोगो ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर किया योग

- संवाददाता -

कुसमी, 21 जून 2024 (घटती-घटना)। अंतराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम का आयोजन कन्या हाईस्कूल प्रांगण में किया गया था,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत के अध्यक्ष हुमंत सिंह रहे, वही मधेश्वर बड़ाइक और अनुप गुप्ता शिक्षक के द्वारा योग के विभिन्न अभ्यास कराया गया, जहां लोगो ने भी शरीर को सुरक्षित रखने के लिए योग के कई आसनों के बारे में जाना और अभ्यास भी किया, योग के बारे में हमे जो जानकारी है उसके मुताबिक इतिहास काल में हमारे देश के ऋषि मुनि योग से ही कई तरह के रोगों का निदान किया करते थे यह योग शिक्षा अति प्राचीन है,आज के कार्यक्रम में जनपद पंचायत सीईओ अभिषेक पांडेय,नगर पंचायत सीएमओ अरविंद विश्वकर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल,मंडल उपाध्यक्ष अशोक सोनी,जिला भाजपा महामंत्री आनंद जायसवाल, राजेश्वर गुप्ता ,बालेश्वर नायक, सहित काफी संख्या में लोग शामिल रहे।

योग न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है,बल्कि हमारे जीवन के हर पहलू को सुधारने में मदद करता है:मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करने का मौका मिला कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को

- संवाददाता -
सुरजपुर,21 जून 2024
(घटती-घटना)।

पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, आज से 10 वर्ष पहले देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का निर्णय लिया था, इस मौके पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बतौर मुख्यातिथि पहुंचे, इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने की, साथ ही कार्यक्रम में प्रदेश के विधायक,वरिष्ठ भाजपा नेता, कार्यकर्ता और भारी संख्या में जनता योग करने पहुंची थी। इस मौके पर सभी ने मिलकर योग किया और स्वस्थ समाज की स्थापना करने का संकल्प भी लिया, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि योग न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे जीवन के हर पहलू को सुधारने में मदद करता है। योग का शब्दिक अर्थ है एकता या युक्ति। इसके माध्यम से हम स्वस्थ रह सकते हैं, अपने शरीर और मन को संतुलित रख सकते हैं और अंततः अपने जीवन की गुणवत्ता को सुधार सकते हैं।

योग का असर हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रत्येक क्षण दिखाई देता है। इससे हमारी संपूर्ण रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, हृदय स्वस्थ रहता है और तनाव कम होता है। योग से हम अपने अंदर के शांति को खोज सकते हैं और मानसिक तनाव को दूर कर सकते हैं। योग की वजह से आप खुद को अनुकूल महसूस करते हैं, इसे प्रतिदिन करने से आप अपने जीवन को भी बदल सकते हैं। योग के अभ्यास से हम अपनी सोच में सकारात्मकता और स्वास्थ्यपूर्ण दृष्टिकोण ला सकते हैं।

जनता से अपील

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े जी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर, हमें योग के महत्व को गहराई से समझने और इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। योग एक ऐसा साधन है जो सभी को समर्पित किया जा सकता है,चाहे वे कहीं भी हों, कोई भी हों। इसलिए, इसे अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने के लिए आज से ही योग का अभ्यास शुरू करें, मैं आप सभी से यही अपील करती हूं।

डबल इंजन सरकार में हो रहे लगातार विकासकार्य

कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी ने देश को विकसित बनाने के लिए मोदी जी के संकल्पों को पूरा करने में अपनी भागीदारी देने की अपील करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में लगातार काम कर रही है, देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के नतृत्व में लगातार विकासकार्य किया जा रहा है, सरकार प्रदेश को विकसित बनाने के साथ आप सभी को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने को लेकर भी संकल्पित है। इसलिए आज आइए एक साथ हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संकल्प लें कि हम प्रतिदिन योग करके अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाकर प्रदेश और देश को विकसित बनाने में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के डीपीएम सुनील शर्मा क्या काफी प्रभावशील अधिकारी...जिनका स्थानांतरण रुकवाने की पैरवी जारी ?

» चार अधिकारी व कर्मचारी का हुआ स्थानांतरण तीन किए गए भारमुक्त,एक सुनील शर्मा को संलग्नीकरण करने की कवायद जारी

» व्यवस्था के तहत होने वाले स्थानांतरण आखिर राजनीति की भेंट क्यों चढ़ते हैं ?

» सुनील शर्मा को सूरजपुर जिले में ही रहने देने के लिए उनका स्थानांतरण निरस्त करने व संलग्नीकरण के लिए मंत्री को लिखना पड़ा मिशन संचालक को पत्र

» आखिर क्यों सुनील शर्मा रहना चाहते हैं सूरजपुर जिले में,नए पदस्थापना स्थल पर क्यों नहीं जाना चाहते ?

» ऐसा क्या है सुनील शर्मा में की मंत्री से लेकर जिला पंचायत सीईओ तक उनको रोकना चाहते है ?

» राष्ट्रीय आजीविका मिशन सूरजपुर जिले के डीपीएम सुनील शर्मा आखिर क्यों शासन के आदेश की अवहेलना करते हुए भार मुक्त नहीं होना चाह रहे हैं ?

» सूरजपुर जिला पंचायत सीईओ ने 4 में से 3 को किया भारमुक्त...एक को भारमुक्त करने से क्यों बच रही ?

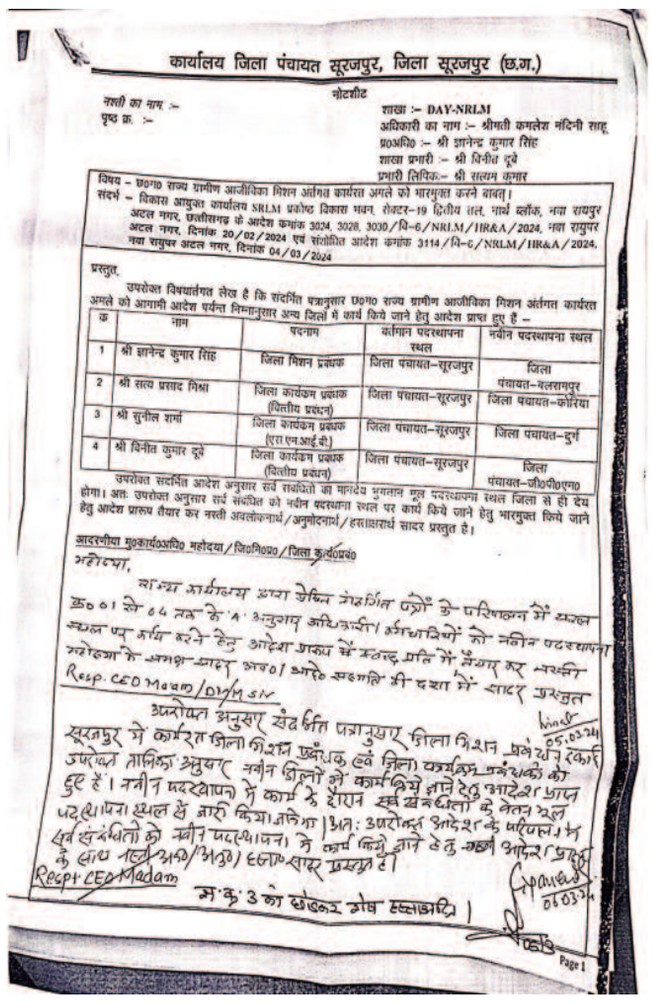

» क्या छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के डीपीएम सुनील शर्मा जिपं सीईओ सूरजपुर के चहेते, जिस वजह से उन्हें नहीं करना चाह रही वह भारमुक्त ?

कार्यालय जिला पंचायत सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

नोटशीट

नस्ती का नाम :-
पृष्ठ क्र. :-

शाखा :- DAY-NRLM
अधिकारी का नाम :- श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू
प्र0अधि0 :- श्री ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह
शाखा प्रभारी :- श्री विनीत दुबे
प्रभारी लिपिक :- श्री सत्यम कुमार

विषय - छ0ग0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत कार्यरत अमले को भारमुक्त करने बाबत्।
संदर्भ - विकास आयुक्त कार्यालय SRLM प्रकोष्ठ विकास भवन, सेक्टर-19 द्वितीय तल, नार्थ ब्लॉक, नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़ के आदेश क्रमांक 3024, 3028, 3030/वि-6/NRLM/HR&A/2024, नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 20/02/2024 एवं संशोधित आदेश क्रमांक 3114/वि-6/NRLM/HR&A/2024, नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 04/03/2024

प्रस्तुत,

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि संदर्भित पत्रानुसार छ0ग0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत कार्यरत अमले को आगामी आदेश पर्यन्त निम्नानुसार अन्य जिलों में कार्य किये जाने हेतु आदेश प्राप्त हुए हैं -

क्र	नाम	पदनाम	वर्तमान पदस्थापना स्थल	नवीन पदस्थापना स्थल
1	श्री ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह	जिला मिशन प्रबंधक	जिला पंचायत-सूरजपुर	जिला पंचायत-बलरामपुर
2	श्री सत्य प्रसाद मिश्रा	जिला कार्यक्रम प्रबंधक (वित्तीय प्रबंधन)	जिला पंचायत-सूरजपुर	जिला पंचायत-कोरिया
3	श्री सुनील शर्मा	जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एस.एम.आई.बी.)	जिला पंचायत-सूरजपुर	जिला पंचायत-दुर्ग
4	श्री विनीत कुमार दुबे	जिला कार्यक्रम प्रबंधक (वित्तीय प्रबंधन)	जिला पंचायत-सूरजपुर	जिला पंचायत-जी0पी0एम0

उपरोक्त संदर्भित आदेश अनुसार सर्व संबंधितो का मानदेय भुगतान मूल पदस्थापना स्थल जिला से ही देय होगा। अतः उपरोक्त अनुसार सर्व संबंधित को नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्य किये जाने हेतु भारमुक्त किये जाने हेतु आदेश प्रारूप तैयार कर नस्ती अवलोकनार्थ/अनुमोदनार्थ/हस्ताक्षरार्थ सादर प्रस्तुत है।

आदरणीया मु0कार्य0अधि0 महोदया/जि0मि0प्र0/जिला का0प्र0

Resp. CEO Madam/DM/MSN

Respt CEO Madam

Page 1

- ओंकार पाण्डेय -
सुरजपुर,21 जून 2024 (घटती-घटना)।

सरकार में चुनकर आने वाले जनप्रतिनिधि कहीं ना कहीं सिस्टम को खोखला करने की कोशिश करते हैं यही वजह है कि कई बार व्यवस्था के तहत होने वाले स्थानांतरण को प्रभावित किया जाता है एक बार फिर ऐसा ही एक मामला सूरजपुर जिले का सामने आया है जहां पर कई महीने पहले राष्ट्रीय आजीविका मिशन में कार्यरत अधिकारियों कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया था,जिसमें से तीन कर्मचारियों को भारमुक्त कर दिया गया पर वही सुनील शर्मा डीपीएम को भारमुक्त नहीं किया गया और अब उनका स्थानांतरण निरस्त करने व उन्हें सूरजपुर जिले में ही संलग्नीकरण करने की कवायत जारी हो गई है,सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिला पंचायत सीईओ सूरजपुर उन्हें भार मुक्त नहीं कर रही हैं वहीं एक कैबिनेट मंत्री मिशन संचालक विकास आयुक्त कार्यालय राष्ट्रीय आजीविका मिशन रायपुर को को पत्र लिखकर सुनील शर्मा डीपीएम का स्थानांतरण निरस्त करने व सूरजपुर में संलग्नीकरण करने निर्देशित कर रही हैं।

मिली जानकारी के अनुसार सुनील शर्मा जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) को जिला पंचायत सूरजपुर के जिला पंचायत सीईओ द्वारा रीलीव नहीं किया जा रहा है, सुनील शर्मा जिला पंचायत सीईओ सूरजपुर के साथ साथ अब राजनैतिक जुगाड़ लगाने व अपना ट्रान्सफर आदेश कैंसिल कराने में वयस्त है, आखिर ऐसी क्या वजह है कि सुनील शर्मा सूरजपुर जिले में ही रहना चाहते हैं क्या यहां पर उन्हें लाभ अर्जित करने में सहयोग मिल रहा था या फिर इस जिले में ऊपरी लाभ ज्यादा है? क्या स्थानांतरण निरस्त करा सूरजपुर जिले में संलग्न कराना किसी भ्रष्टाचार की ओर तो इशारा नहीं कर रहा। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सूरजपुर जिले में अनियमिता फैलाने वाले चार अधिकारियों का तबादला फरवरी माह में किया गया था और उन्हें तत्काल भारमुक्त करना था जिसमें तीन को जिला पंचायत सीईओ द्वारा भारमुक्त कर दिया गया पर वही एक जिला कार्यक्रम अधिकारी सुनील शर्मा को अभी तक भारमुक्त नहीं किया गया, अब ऐसे में सवाल यह उठता है की क्या सुनील शर्मा जिला पंचायत सीईओ के चहेते हैं या फिर जिला पंचायत सीईओ उन्हें भारमुक्त ना करके उन्हें जिले में रखना चाहती हैं? वहीं सूत्रों का कहना है की जिला पंचायत सीईओ का कहना है कि कर्मचारियों की कमी है तो क्या कर्मचारियों की कमी है तो वह शासन के आदेश का पालन नहीं करेंगी? क्या जिला पंचायत सीईओ शासन के आदेश का पालन नहीं करना चाहती या फिर उसे आदेश का अवेहलना करना ही उनका उद्देश्य है?

महिला समूह से होती है अवैध उगाही

सूत्रों का यह भी कहना है ज़िलें के स्वयं सहायता समूहों कि महिलाओं को भी हर कार्य के लिए पैसे का डिमांड किया जाता है या फिर उस महिला को कार्य से निकाल दिया जाता है, महिलाओं को ऐसी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, सुनील शर्मा जिला सीईओ की या उनके द्वारा किया गए कार्य का मानदेय नहीं देने एवं उसे कार्य से निकालने कि धमकी दी जाती है। ज़िलें में भ्रष्टाचार को बढ़ावा ही नहीं बल्कि ज़िलें को ख़राब किया जा रहा है।

चार कर्मचारियों में से तीन को भार मुक्त करना और एक को रोकना सवालों के घेरे में

कांग्रेस शासन काल की तरह भाजपा में भी इस ढर्रे पर चल रहा शासनकाल कुछ ऐसा ही बयां कर रहा सूरजपुर जिले का प्रशासन, एसआरएलएम विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा चार अधिकारियों का किया था स्थानांतरण पर उन्हें भारमुक्त नहीं किया गया, और अब जब हर बात करने का दबाव है तो एक व्यक्ति को रोक कर तीन व्यक्ति को भारमुक्त किया जा रहा है, जिसे डीपीएम सुनील शर्मा को भारमुक्त नहीं किया जा रहा है या तो वह काफी पहुंच पकड़ वाले हैं या फिर जिला पंचायत सीईओ के काफी करीबी हैं जिस वजह से जिला पंचायत सीईओ उन्हें भारमुक्त नहीं करना चाह रही हैं? क्या सूरजपुर जिला पंचायत सीईओ भी मनमानी कर रहे हैं जब स्थानांतरण आदेश ऊपर से है तो फिर क्यों किसी एक व्यक्ति को रोक कर रखा जा रहा है? जिसे लेकर सवाल उठना लाजिमी है।

शिकायत जॉच के उपरांत हुआ था स्थानान्तरण

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कार्यालय जिला पंचायत सूरजपुर मे पदस्थ अधिकारी/कर्मचारियों का शिकायत का जॉच कुछ दिन पूर्व राज्य कार्यालय से उच्च अधिकारियों के द्वारा किया गया था। जिसमे जॉच टीम द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत कार्यरत् जिला एवं जनपदों में कार्यरत् समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों का बयान लिया गया था। जॉच पश्चात् बाद दिनांक 20 फरवरी 2024 को 4 अधिकारियों का स्थानान्तरण राज्य कार्यालय से अन्य जिले मे किया गया,जिसमें सत्य प्रसाद मिश्रा जिला कार्यक्रम प्रबंधक - वित्तीय समावेशन को सूरजपुर जिला से बलरामपुर किया है, विनीत कुमार दुबे जिला कार्यक्रम प्रबंधक को सूरजपुर से गौरेल्ला - पेण्ड्रा - मरवाही किया गया है, ज्ञानेन्द्र सिंह जिला मिशन प्रबंधक को बलरामपुर किया गया, सुनील शर्मा जिला कार्यक्रम प्रबंधक एसएमआईबी को जिला दुर्गा किया गया था लेकिन इनमे से 03 अधिकारियों को जिला सूरजपुर से स्थानान्तरित स्थान के लिए भारमुक्त तो कर दिया गया है। दिनांक 7 मार्च 2024 को विनीत कुमार दुबे का भार मुक्त किया गया, दिनांक 6 मार्च 2024 को ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह का भार मुक्त किया गया, दिनांक 6 मार्च को सत्य प्रकाश मिश्रा का भार मुक्त किया गया लेकिन चौथे स्थानांतरित अधिकारी सुनील शर्मा डीपीएम को आज तक स्थानांतरित जिला-दुर्ग हेतु भारमुक्त नही किया जा रहा है सुनील शर्मा डीपीएम जिला पंचायत सूरजपुर को भारमुक्त नही करने मे जिला के कुछ अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है जबकि राज्य कार्यालय के जॉच मे सुनील शर्मा डीपीएम मुख्य रूप से जिला सूरजपुर मे भ्रष्टाचार फैलाने के दोषी पाये गये थे। लेकिन अधिकारियों से सांठ-गांठ कर आज दिनांक तक जिला पंचायत सूरजपुर मे जमे हुए हैं एवं स्थानान्तरित जिला हेतु भारमुक्त न होकर जिला-सूरजपुर मे भ्रष्टाचार को बढावा दे रहे हैं।

एनटीपीसी कोरबा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2024 कार्यक्रम का किया आयोजन

- संवाददाता -
कोरबा,21 जून 2024 (घटती-घटना)।

योग शब्द का अर्थ ही एकता है, जो मन, शरीर और आत्मा के बीच संबंध पर ज़ोर देता है । योग न केवल मानव मन और शरीर को स्वस्थ बनाता है, बल्कि योग एक ऐसी पद्धति भी है जिसके विभिन्न रूपों से हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को अलग-अलग तरीकों से लाभ मिलता है। उक्त उद्गार 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में राजीव खन्ना, परियोजना प्रमुख (कोरबा) ने व्यक्त किए । अपने सम्बोधन में श्री खन्ना ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की शुरुआत भारत की ओर से की गई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरुआत सबसे पहले वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने की थी। जब संयुक्त राष्ट्र की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था ।

एनटीपीसी कोरबा आवासीय परिसर स्थित कल्याण मंडप में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया । सबसे पहले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीव खन्ना, परियोजना प्रमुख का मानव संसाधन प्रमुख शशि शेखर ने स्वागत किया । इसके बाद आमंत्रित प्रशिक्षकों का भी स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए योग कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । योग प्रशिक्षक के रूप में आमंत्रित संजय कुर्वंशी ने योग के विविध पहलुओं पर चर्चा करते हुए इसके महत्व के बारे में बताया और इसके उपरांत विभिन्न प्रकार के योग का अभ्यास करवाते हुए इसके लाभों से अवगत करवाया । समारोह के दौरान विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षगण, यूनियन एवं असोसियेशन के पदाधिकारीगण कर्मचारी एवं उनके परिजन मौजूद रहे ।

उपमुख्यमंत्री साव के आतिथ्य में जिला स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

» शरीर व मन को स्वस्थ रखने के लिए योग ही है सर्वोत्तम उपाय : उपमुख्यमंत्री साव

- संवाददाता -
कोरबा, 21 जून 2024 (घटती-घटना)।

दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री,लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी,विधि व विधायी कार्य, तथा नगरीय प्रशासन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में कोरबा नगरीय क्षेत्र के सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में जिला स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने विभिन्न मुद्राओं का योगाभ्यास कर योग से होने वाले लाभ की जानकारी दी एवं सभी से योग को अपने दैनिक जीवन मे अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर, महापौर नगर निगम राजकिशोर प्रसाद, सचिव नगरीय प्रशासन एस बसवा राजू, कलेक्टर अजीत वसंत, संचालक नगरीय प्रशासन कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, वनमण्डलाधिकारी कोरबा अरविंद पीएम, डीएफओ कटघोरा कुमार निशांत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संबित मिश्रा, निगमायुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई, जोगेश लाम्बा, श्री हिनानंद अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी कर्मचारी , स्वच्छता दीदी एवं बड़ी संख्या में नगरवासियों ने सामूहिक योग कार्यक्रम में हिस्सा लेकर स्वस्थ रहने का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शरीर व मन को स्वस्थ रखने के लिए योग ही सर्वोत्तम उपाय है। उन्होंने सभी को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। उन्होंने योग को विश्व के शिखर तक पहुँचाया है। आज पूरा विश्व योग कर रहा है । इस साल हम दसवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। योग हमारे प्राचीन परंपरा और संस्कृति का अटूट हिस्सा रहा है। योग से मनुष्य का मन व तन दोनों स्वस्थ रहता है, और स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है। आधुनिक जीवन शैली और बदलते खानपान के समय में अच्छी सेहत की चुनौती से निपटने में योग एक कारगर उपाय के रूप में पूरी दुनिया में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इस हेतु हमें योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए ।

आदिवासियों की न जंगल बच पा रही न जान : डॉ. महंत

- संवाददाता -
कोरबा,21 जून 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के रामपुर विधानसभा व करतला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोटमेर में पिछले दिनों जहरीला कच्ची शराब पीने से एक महिला समेत 3 लोगों की मौत हो गई। जहरीली शराब पीने से श्रीमती मालती बाई 50 वर्ष, राम सिंह 60 वर्ष एवं बेदराम 49 वर्ष की मौत के मामले को छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ में न आदिवासियों का जंगल बच पा रहा है और न उनकी जान सुरक्षित है।

रामपुर विधानसभा क्षेत्र में आज प्रवास के दौरान डॉ. महंत ने पूर्व विधायक श्यामलाल कंवर, विधायक फूल सिंह राठिया के साथ ग्राम कोटमेर पहुंच कर मृतक आदिवासी ग्रामीणों के परिजनों व सरपंच, जनपद सदस्य व ग्रामवासियों से मुलाकात की। उन्होंने घटनाक्रम की जानकारी ग्रामीणों के साथ-साथ उपस्थित पुलिस अधिकारी से भी ली। डॉ. महंत ने कहा कि 5 साल से मेहनत कर इस गांव में यहां की महिलाओं ने शराब बेचने पर पाबंदी लगा दी है। सरपंच ने बताया कि यह गांव नशामुक्त है, मगर इसका फायदा उठाकर कुछ बाहर के लोग यहां आकर अवैध रूप से बेचते हैं। पुलिस के मुताबिक शराब पीते ही इन तीनों की मौत हुई है और उनके खाने का सामान मछली आदि वैसा ही पड़ा मिला, यानी शराब पूरी तरह से जहरीली थी। डॉ. महंत ने कहा कि जहरीली शराब बेचने वालों की धर-पकड़ आबकारी व पुलिस कर्मियों को करना चाहिए। डॉ. महंत ने कहा कि जो महिलाएं समाज के संरक्षण में लगी है, ऐसे लोगों को अवैध शराब बेचने वालों से सुरक्षा नहीं मिलेगी तो समाज कैसे सुधरेगा, कठोर कार्यवाही करने की आवश्यकता है। जनपद सदस्य व अन्य लोग अवैध शराब व नशा की बिक्री को रोकते हैं, मगर उन पर दबाव बनाया जाता है। इस मामले में एसडीओपी को कड़ी कार्यवाही के लिए कहा गया है और एसपी से भी बात की जाएगी। डॉ. महंत ने मृतकों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा व तत्काल सहायता राशि देने की मांग करते हुए कहा कि आबकारी विभाग ऐसे अवैध शराब व जहरीली शराब बेचने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें अन्यथा उस पर हमें नजर रखनी होगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जहां-जहां अवैध शराब बेची जाती है, वह आबकारी विभाग के संरक्षण के बगैर नहीं होता, यह भी मुझे अच्छे से मालूम है। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष के साथ ग्राम के गणमान्यजन व ग्रामवासी भी उपस्थित रहे व कार्यवाही की मांग की।

न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202406021700029ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुंटा वनवासी आ0 रोमन वनवासी जाति कोरवा निवासी ग्राम कांतिप्रकाशपुर, तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम कांतिप्रकाशपुर स्थित भूमि खसरा नं0 547,548 रकबा 0.065,0.450 हे0 भूमि को में से 11 डिसमिल भूमि अपनी पुत्री के विवाह हेतु रूपयों के आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका श्रीकमल बेक पति स्वः चेतन बेक जाति उरावं निवासी संत गहिरा गुरू वार्ड पचपेडी अंबिकापुर तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा को रू01,55,000/-(एक लाख पचपन हजार रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी(रा0)महोदय के समक्ष, प्रस्तुत किया गया हैं। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ हैं। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हेा तो पेशी दिनांक 12/07,2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील)
नायब तहसीलदार
अंबिकापर-2

न्यायालय सक्षम अधिकारी (व्यपवर्तन.)एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा0)खडगंवा,जिला-मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर (छ0ग0)

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र.20406331300001/अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण ग्राम खडगवां तहसील खडगवां जिला-मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर (छ0ग0)को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलवन्तराम शर्मा आ0 बंशीराम शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम खडगवां , तहसील खडगवां, जिला-मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर(छ0ग0) द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता की धारा 172 के तहत ग्राम खडगवां प0ह0नं0 11 रा0नि0मं0 खडगवां तहसील खडगवां जिला-मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित (छ0ग0)में स्थित भूमि खसरा नं0 274/1 रकबा 0.02 हे0 भूमि जो राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर दर्ज हैं।आवेदक द्वारा उक्त भूमि खसरा नंबर 275/2 रकबा 0.02 हे0 भूमि का व्यवसायिक प्रयोजन हेतु भू-व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र ,नक्शा, खसरा ,बी-1,मिसल अभिलेख वर्ष 1948-49, ले-आउट, नक्शा ,रिनम्बरिग सूची , रजिस्ट्री की छाया प्रति, एवं ग्राम पंचायत खडगवां का अनापत्ति प्रमाण पत्र संहित प्रस्तुत किया गया हैं ,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त भू-व्यपवर्तन के सम्बंध में जिस किसी को भी कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 28/06/2024 को सायं 5:00 बजे तक आपत्ति पेश कर सकते हैं निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होंगी।

आज दिनांक 03/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी।

(सील)
सक्षम प्राधिकारी(व्यवर्तन.)एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खडगवां जिला-एम.सी.बी.(छ.ग.)

संक्षिप्त खेल समाचार

राशिद के खिलाफ अपने प्रदर्शन से खुश हूं:सूर्यकुमार यादव

ब्रिजटाउन (बारबाडोस),21 जून 2024। टी20 विश्व कप सुपर 8 मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ 28 गेंदों पर 53 रनों की तूफानी पारी खेलने के बाद सूर्यकुमार यादव ने राशिद खान की जमकर तारीफ की और उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताया। गुरुवार रात केंसिंग्टन ओवल में अपनी 53 रनों की पारी के दौरान, सूर्यकुमार ने राशिद की छह गेंदों पर 16 रन बनाए और अपनी टीम को 181/8 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।मैच के बाद दुनिया के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने एक ऐसे खिलाड़ी के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया, जिसे वह दुनिया का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं।

सूर्यकुमार ने कहा, मैंने पहले भी यह कहा है और मैं फिर से कहूंगा कि राशिद का सामना करना आसान नहीं है। वो दुनिया का सबसे अच्छा गेंदबाज है। आप उसे हावी नहीं होने दे सकते। आपको एक कदम आगे रहना होगा। लेकिन मैं उनके खिलाफ इस प्रदर्शन से खुश हूं।

भारतीय टीम के हीरो रहे बुमराह, जिन्होंने चार ओवर में मात्र सात रन देकर तीन विकेट झटके जबकि अर्शदीप ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट लिए। कुलदीप यादव ने अपनी वापसी को सार्थक साबित करते हुए दो विकेट लिए जबकि रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट मिला।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली,21 जून 2024। योग के साथ खो-खो और कबड्डी को किया जाएगा शामिल? भारत साल 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के मैनिफेस्टो में ओलंपिक 2036 की मेजबानी को जगह दी थी। अब जब एनडीए सरकार में है तो मेजबानी के लिए दावेदारी को पुख्ता करने की तैयारी में शुरू कर चुके हैं। भारत मेजबानी के लिए अपने प्रस्ताव में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहता। अगर भारत को मेजबानी मिलती है तो फैंस को ओलंपिक में पहली बार योग को देखने का मौका मिल सकता है।

भारत बांग्लादेश सुपर 8 मुकाबला आज

» बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में भारत के शीर्ष क्रम और दुबे पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव

नई दिल्ली,21 जून 2024। जीत के अश्वमेध रथ पर सवार भारतीय टीम टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के मैच में शनिवार को अपने स्टार बल्लेबाजों के फॉर्म में लौटने की उम्मीद के साथ बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी चूंकि प्रतिद्वंद्वी के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए उसे हलके में कतई नहीं लिया जा सकता। दोनों टीमों के एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड में भारत का पलड़ा भारी है लेकिन बांग्लादेश उलटफेर करने में माहिर है और टीम इंडिया को इसका बखूबी इल्म है।

खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ सुपर आठ चरण के पहले मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। बाकी दोनों मैचों के बीच ज्यादा अंतराल नहीं है लिहाजा कप्तान रोहित शर्मा उम्मीद कर रहे होंगे कि उनके स्टार खिलाड़ी रंगत में लौटें। विराट कोहली और रोहित ने अच्छी शुरूआत की लेकिन बड़ी पारी अभी तक नहीं खेल सके हैं। बायें हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे को बीच के और डैथ ओवरों में छक्के लगाने के लिये टीम में रखा गया था लेकिन अभी तक वह अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं।

आईपीएल में जिस फॉर्म के कारण उन्हें भारतीय टीम में जगह दी गई थी, वह अभी तक

नजर नहीं आया है। उन्होंने अमेरिका के खिलाफ ग्रूप मैच में नाबाद 31 रन बनाये लेकिन सूर्यकुमार यादव के प्रयासों से भारत को जीत मिली। एक और बार उनके नाकाम रहने पर टीम प्रबंधन संजू सैमसन को उतारने का फैसला ले सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में हार्दिक पंड्या का बल्लेबाजी फॉर्म में लौटना सुखद रहा। गेंदबाजी में भारत उसी संयोजन को उतार सकता है।

बायें हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को पहली बार अफगानिस्तान के खिलाफ ही मौका मिला और वह प्रभावी साबित हुए। मैच के बाद अक्षर पटेल ने कहा था ,'' बायें हाथ के तीन स्पिनरों को उतारने से फायदा मिला है। इनमें से एक कलाई का स्पिनर और दो ऊंगली के स्पिनर हैं। इन तीनों का संयोजन जबर्दस्त रहा है। हमारे पास अच्छी टीम है और हमारा तालमेल बेहतरीन है। हम आपस में बात करते हैं कि क्या कारगर साबित हो रहा है और क्या नहीं। एक ईकाई के रूप में गेंदबाजी करने पर यह बहुत जरूरी है।'' वेस्टइंडीज में भारत का एकमात्र लक्ष्य खिताब जीतना है और बांग्लादेश के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन उसी सिलसिले में अगला कदम होगा चूंकि 24 जून को सामना आस्ट्रेलिया से है। बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने अभी तक निराश किया है और उसे उम्मीदें बनाये रखने के लिये हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। उसे टीम में पावर हिटर्स की कमी खल रही है। सलामी बल्लेबाज लिटन दास और तंजीद खान के खराब प्रदर्शन ने भी उसकी परेशानियां बढा दी हैं।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने आस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद कहा था ,'' शीर्षक्रम का रन बनाना जरूरी है। उम्मीद है कि गेंदबाज भी फॉर्म में लौटेंगे। हमारा लक्ष्य भारत के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का है।'' बांग्लादेश के बल्लेबाजों के सामने चुनौती जसप्रीत बुमराह का सामना करने की है जो अब तक बेहतरीन फॉर्म में हैं और उनका इकॉनॉमी रेट 3 . 46 रहा है।

टीमें...

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश: नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

ऑस्ट्रेलिया की लगातार 5 वीं जीत

हैट्रिक लेकर कमिंस ने रचा इतिहास

नार्थ साउंड (एंटीगा),21 जून 2024। टी20 विश्व कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया का शानदार प्रदर्शन जारी है। टूर्नामेंट के चौथे सुपर-8 मैच में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 28 रन से हरा दिया और लगातार 5वीं जीत दर्ज की। साथ ही पैट कमिंस ने हैट्रिक लेकर एक नया इतिहास भी रचा है।बारिश से प्रभावित मैच में ऑस्ट्रेलिया ने डकवर्थ-लुईस नियम से यह जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को एंटीगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी।

बांग्लादेश ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 140 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार शुरुआत करते हुए 11.2 ओवर के बाद 2 विकेट के नुकसान पर 100 रन बना लिए, तभी बारिश की वजह

से मैच रोकना पड़ा। खराब मौसम और तेज बारिश के कारण यह मैच यहां से आगे नहीं बढ़ पाया और ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच डकवर्थ लुईस स्टर्न मेथड से 28 रन से जीत लिया।

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 मैच में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली। यह टूर्नामेंट के इतिहास का कुल सातवां और इस संस्करण का पहला हैट्रिक है। टी20 विश्व कप में ब्रेट ली के बाद यह कारनामा करने वाले कमिंस दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने हैं। कर्टिस कैमफर, वानिंदु हसरंगा, कगिसो रबाडा, कार्तिक मयप्पन और जॉश लिटिल भी हैट्रिक ले चुके हैं।पहले स्पेल में कोई विकेट नहीं मिलने के बाद कमिंस ने 18वें ओवर और 20वें ओवर को मिलाकर अपनी हैट्रिक पूरी की है। 18वें ओवर की पांचवीं गेंद पर उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर बैक ऑफ लेंथ फेंकी थी जिसे महमुदुल्लाह अपने विकेट में अंदरूनी किनारे से मार बैठे। अगली गेंद भी उसी लाइन और लेंथ पर थी जिसे मेहदी हसन ने अपर कट करने का प्रयास किया और डीप थर्ड पर कैच थमा बैठे। जब कमिंस पारी का अंतिम ओवर डालने आए तो उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर धीमी गति की गेंद से शुरुआत की और इस गेंद को तौहीद हृदोय ने शॉर्ट फाइन लेग के हाथों में स्कूप कर दिया। इस तरह उनका हैट्रिक पूरा हुआ।

स्पेन ने इटली को 1-0 से हराकर यूरो कप के राउंड 16 में जगह बनाई

गेल्सनकिर्चेन (जर्मनी),21 जून 2024। स्पेन ने गुरूवार रात इटली को 1-0 से हराकर यूरो कप ग्रूप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया और साथ ही राउंड 16 में भी प्रवेश कर लिया।स्पेन को रिकार्डो कैलाफियोरी के दूसरे हाफ के शुरू में आत्मघाती गोल का भी फायदा मिला।

इटली को शुरुआत में संकट का सामना करना पड़ा जब बाएं विंग पर निको विलियम्स के कुशल खेल ने पेड्री के लिए हैडर सेट किया। हालाँकि, जियानलुइगी डोनारुम्मा ने गेंद को बार के ऊपर से बाहर निकालते हुए एक शानदार बचाव किया।

विलियम्स ने स्वयं दसवें मिनट में एक बेहतर मौका गंवा दिया, जब गोल के सामने अचिह्नित रहते हुए हैडर को बाहर मार दिया।

स्पेन ने दबाव बनाना जारी रखा, जिससे अल्वारो मोराटा के कोणीय शॉट को रोकने के लिए डोनारुम्मा को फिर से एक्शन में आने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद इटालियन कीपर ने फैबियान रुइज़ के लंबी दूरी के प्रयास को नाकाम करने के लिए अपनी बायीं ओर तेजी से गोता लगाया। रुइज़ के बाद में एक और शॉट को एलेसेंड्रो बैस्टोनी ने रोक दिया।

मिर्जापुर 3 का ट्रेलर हुआ रिलीज

कुर्सी की लड़ाई का खूनी खेल, पंकज त्रिपाठी ने चंद सेकंड में उड़ाया गर्दा

पकंज त्रिपाठी की फेमस वेब सीरीज मिर्जापुर 3 का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। सीरीज 5 जुलाई को अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होगी। अब सीरीज के तीसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फैंस मिर्जापुर 3 के ट्रेलर को काफी पसंद कर रहे हैं। इस बार भी शो में मिर्जापुर की कुर्सी को लेकर जंग देखने को मिलेगी। मिर्जापुर 3 का ट्रेलर जबरदस्त है। फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं। पूरे ट्रेलर में पंकज त्रिपाठी अखिरी के चंद सेकंड में नजर आते हैं और भौकाल मचा देते हैं। उनकी एंट्री बिल्कुल पुरानी वाली वाइब देती है। फैंस उन्हें और उनकी आवाज को काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में जबरदस्त डायलॉग है।अली फजल इस बार और खूंखार अवतार में नजर आने वाले हैं। इस बार ईशा तलवार और अंजुम शर्मा का किरदार और भी ज्यादा मजबूत नजर आएगा। वहीं रसिका दुग्गल का किरदार भी शो की कहानी में काफी ट्विस्ट एंड टर्न लाने वाला है। मिर्जापुर में खेल आज भी वही है, बस मोहरे बदल गए हैं। शो की कहानी में आगे क्या होता है ये देखना काफी मजेदार होगा। बता दें कि मिर्जापुर के दोनों सीजन को फैंस ने खूब प्यार दिया है। शो में दिव्येन्दु शर्मा अहम रोल में थे। उनके कैरेक्टर मुन्ना भैया को फैंस ने भर-भरकर प्यार दिया था। लेकिन अब तीसरे सीजन में दिव्येन्दु शर्मा नजर नहीं आएंगे।

फिल्म खेल खेल में की नई रिलीज तारीख से उठा पर्दा

अक्षय कुमार आने वाले दिनों में कई बड़ी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। खेल खेल में उनकी आने वाली चर्चित फिल्मों में शुमार है।यह फिल्म 6 सितंबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब निर्माताओं ने इस फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया है।इस फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए आपको ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। खेल खेल में अब 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों का रुख करने वाली है।बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में का सामना जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा से होगी।खेल खेल में भूषण कुमार के प्रोडक्शन हाउस टी-सीरीज के बैनर तले बन रही है, जो कॉमेडी, ड्रामा और इमोशंस से भरपूर होगी।मुदस्सर अजीज ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। तापसी पन्नू, वाणी कपूर और फरदीन खान भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।इस साल स्वतंत्रता दिवस पर कॉमेडी से लेकर एक्शन और रोमांस का तड़का लगने वाला है। अब देखना दिलचस्प होगा कि किसकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब होती है। अक्षय कुमार से लेकर जॉन अब्राहम अपनी बेहतरीन फिल्मों के साथ दर्शकों के सामने आने वाले हैं।

इस तारीख से शुरू होगी डॉन 3 की शूटिंग

जब से फिल्ममेकर और एक्टर फरहान अख्तर ने घोषणा की है कि रणवीर सिंह बहुप्रतीक्षित फिल्म डॉन 3 में मुख्य अभिनेता की भूमिका निभाएंगे, तब से फैंस फिल्म से जुड़ी हर छोटी-बड़ी अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। डॉन फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट में रणवीर सिंह बॉलीवुड के शाहरुख खान की जगह डॉन की भूमिका निभाएंगे। अब फरहान अख्तर ने आखिरकार खुलासा कर दिया है कि डॉन 3 की शूटिंग कब शुरू होगी।

फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने बहुप्रतीक्षित डॉन को लेकर अटकलों पर विराम लगाते हुए पुष्टि की है कि रणवीर सिंह की फिल्म अभी भी पटरी पर है। हाल ही में ऐसी अफवाहें थीं कि कई देरी के कारण फिल्म को रोक दिया गया है। अब फरहान ने आश्वासन दिया है कि इसका निर्माण अगले साल शुरू होगा।

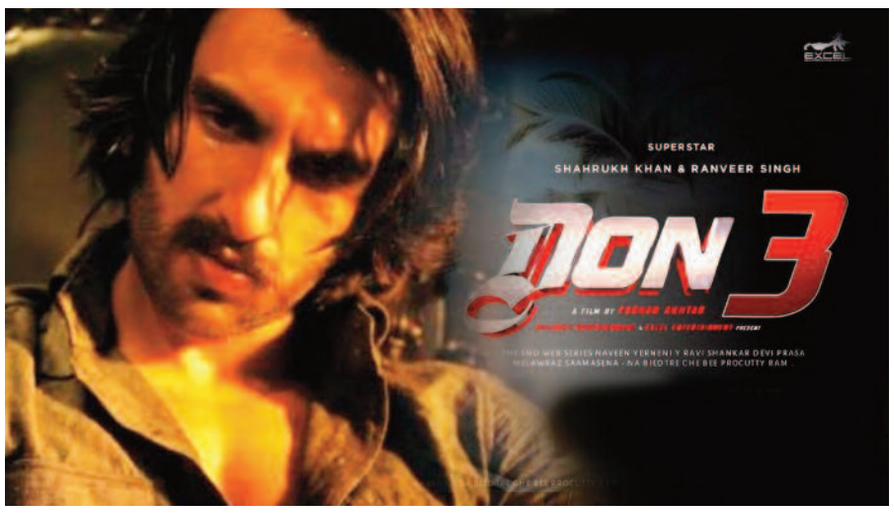

इस दिन से शुरू होगी शूटिंग पिंकविला से बातचीत में फरहान ने अपनी फिल्म के बारे में अपडेट देते हुए कहा, हम अगले साल डॉन 3 की शूटिंग शुरू करेंगे। हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आपको बता दें कि यह घोषणा रणवीर सिंह के प्रशंसकों के लिए राहत भरी खबर है, जो इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शाहरुख खान ने डॉन 2 में मुख्य भूमिका निभाई थी। तीसरे भाग में रणवीर की कास्टिंग ने प्रशंसकों के बीच एक अलग उत्साह पैदा कर दिया है। हालांकि, सोशल मीडिया यूजर्स के एक खास वर्ग ने रणवीर को नया डॉन मानने से ही इनकार कर दिया।

फिल्म के बारे में

जिन लोगों को नहीं पता, उन्हें बता दें कि डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ कियारा आडवाणी नजर आएंगी। यह पहली बार होगा जब दोनों कलाकार किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे। डॉन 3 का संगीत शंकर एहसान लॉय द्वारा तैयार किया जा रहा है और इसकी पटकथा पुष्कर, गायत्री और फरहान अख्तर द्वारा सह-लिखित है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित डॉन 3 2025 में रिलीज होने वाली है।

विजय वर्मा स्टारर मटका किंग की शूटिंग शुरू

इन दिनों विजय वर्मा स्टारर क्राइम थ्रिलर मटका किंग की काफी चर्चा है। फैंस इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट जारी किया है। मेकर्स ने एक्टर का नया पोस्टर शेयर करते हुए बताया कि सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है।पोस्टर में विजय 90 के दशक के अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने व्हाइट शर्ट पहनी हुई है, और ताश के साथ खेलते हुए दिख रहे हैं।पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, शर्त लगाने के लिए तैयार! मटका किंग जल्द ही, लेकिन अभी शूटिंग शुरू।मटका किंग की कहानी 1960 के दशक की है, जिसमें एक कपास व्यापारी मटका नामक एक नया जुआ खेल शुरू करता है। यह खेल शहर में तूफान मचा देता है। यह खेल पहले सिर्फ अमीरों और अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन अब हर वर्ग के लोग जुड़ जाते हैं।इस सीरीज में कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार शामिल हैं।रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले सिद्धार्थ रॉय कपूर और नागराज मंजुले के साथ गार्गी कुलकर्णी, आशीष आर्यन और अश्विनी सिद्वानी द्वारा निर्मित इस सीरीज का निर्देशन नागराज ने किया है और मंजुले के साथ अभय कोरानने ने इसे लिखा है।इस सीरीज को प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय को पिछली बार स्ट्रीमिंग मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म मर्डर मुबारक में देखा गया था। इसमें पंकज त्रिपाठी और सारा अली खान लीड रोल में थे। वह जल्द ही फिल्म सूर्या43 और उल जलूल इश्क में नजर आएंगे।

फिल्म सूर्या 44 से जुड़ीं पूजा हेगड़े

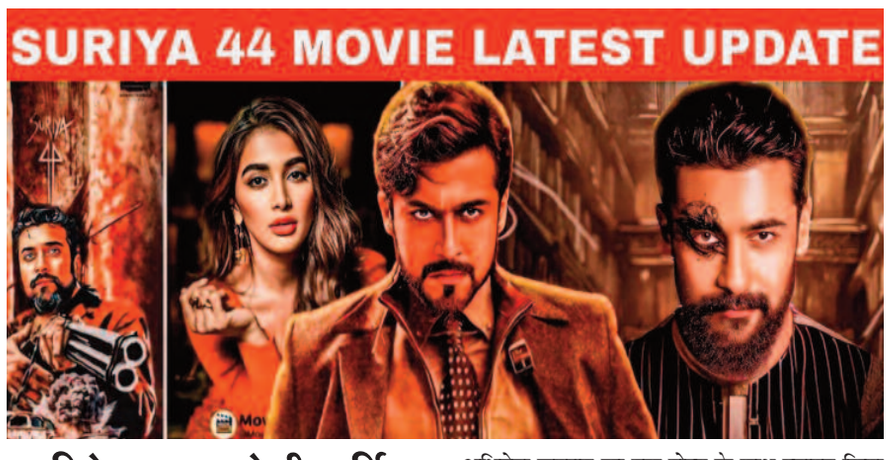

अभिनेता जयराम ने भी कार्तिक की फिल्म के लिए कसी कमर

अभिनेत्री पूजा हेगड़े के पास एक रोमांचक नया प्रोजेक्ट है। अभिनेत्री को निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज की नई फिल्म सूर्या 44 के लिए चुना गया है। एक्स पर जाते हुए, कार्तिक ने पारंपरिक सोने के आभूषणों के साथ साड़ी पहने पूजा की तस्वीर साझा करके इसकी आधिकारिक घोषणा की। आगामी फिल्म में पूजा अभिनेता सूर्या के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।मुख्य अभिनेत्री पूजा हेगड़े का स्वागत करते हुए कार्तिक सुब्बाराज ने एक्स पर लिखा, सूर्या 44 के लिए पूजा हेगड़े का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। फिल्म में आपका स्वागत है। पोस्टर में पूजा पारंपरिक पोशाक में नजर आ रही हैं। मुगामुडी और बीस्ट के बाद यह पूजा हेगड़े की तीसरी तमिल फिल्म है। इस बीच, मलयालम अभिनेता जयराम का एक पोस्ट के साथ स्वागत किया गया जिसमें लिखा था, एक व्यक्ति जो बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं, जो अपनी परफॉर्मेंस में जान डाल देते हैं। जयराम आपका सूर्या 44 की टीम में स्वागत है। पोस्टर में जयराम चश्मा लगाए बेहद गंभीर नजर आ रहे हैं। पूजा और जयराम के सूर्या 44 से जुड़ने की खबर ने फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। कार्तिक ने घोषणा की कि सूर्या 44 का पहला शेड्यूल पोर्ट ब्लेयर, अंडमान में शुरू हो रहा है। इससे पहले आज, जयराम और मुख्य अभिनेता सूर्या को पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे पर देखा गया, जिससे पुष्टि हुई कि जयराम पहले शेड्यूल का हिस्सा होंगे और फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सूर्या भी इस शेड्यूल में शामिल हो रहे हैं। अभी तक सूर्या 44 शीर्षक से मशहूर फिल्म में संतोष नारायणन का संगीत और श्रेयस कृष्ण की सिनेमैटोग्राफी देखने को मिलेगी।

छत्तीसगढ़ राजभवन की बड़ी कार्यवाही

» राज्यपाल की नाफरमानी इस महिला कुलपति को भारी पड़ गया,हुई बर्खास्त

रायपुर,21 जून 2024(ए)। राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन ने अब से थोड़ी देर पहले इंदिरा गाँधी संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की कुलपति ममता चंद्राकर को बर्खास्त कर दिया। उनके खिलाफ विश्वविद्यालय अधिनियम 1956 की धारा 17(ए) के तहत कार्रवाई की गई है। इस धारा के तहत राज्भवन के आदेश का उल्लंघन करने के मामले में कार्रवाई की जाती है। इस धारा के तहत बर्खास्त होने वाली ममता चंद्राकर छत्तीसगढ़ की पहली कुलपति होंगी।

ममता चंद्राकर को पिछली भूपेश बघेल सरकार ने संगीत विवि का कुलपति नियुक्त किया था.

अफसरों का कहना है कि संगीत विवि के कुलपति द्वारा राजभवन के निर्देशों का लगातार उल्लंघन किया जा रहा था।. पूर्व कुलपति मांडवी सिंह लिव पर जाना चाहती थीं। मगर कुलपति उन्हें एनओसी नहीं डे रही

थी। राजभवन ने कुलपति को निर्देश दिया कि मांडवी सिंह को अनुमति दे दी जाए। मगर आदेश का पालन नहीं हुआ। विश्वविद्यालय द्वारा राजभवन से भेजे जाने वाले पत्रों का भी ठीक से जवाब नहीं दिया जा रहा था।

चार प्रोसेसर हुए सस्पेंड

पिछले महीने विश्वविद्यालय के चार प्रोफेसरों के खिलाफ शिकायतें आई थी। राज भवन ने इस पर विश्वविद्यालय से जवाब मांगा था। राज भवन के पत्र का जवाब देने की बजाय कुलपति ने उन चारों प्रोफेसर को सस्पेंड कर दिया।. राजभवन को यह काफी नगवार गुजरा।. बताते हैं प्रोफेसरों के खिलाफ शिकायत की जांच के लिए राजभवन में जांच कमेटी गठित की थी। इससे पहले ही कुलपति ने उन चारों प्रोफ़ेसरों को सस्पेंड कर दिया। राजभवन में इस पर कुलपति ममता चंद्राकर से जवाब मांगा कि ज़ब उसके द्वारा शिकायतों की जांच की जा रही थी तो आपने उन चारों को सस्पेंड कैसे कर दिया। सूत्रों का कहना है कि राजभवन के पत्र का तलखी के साथ जवाब देते हुए कुलपति ने लिख दिया कि इसे हमारा इस्तीफा भी समझ सकते हैं। राजभवन ने इसे गंभीर नाफरमानी मानते हुए कुलपति को बर्खास्त कर दिया। उनकी जगह पर दुर्ग संभाग के कमिश्नर वह विश्वविद्यालय का प्रभार दिया गया है ।कुलपति प्रभार दिया गया है। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ कि कुलपति मोक्षदा चंद्राकर (ममता चंद्राकर) को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के कुलपति के पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में नए कुलपति की नियुक्ति होने तक संभाग आयुक्त दुर्ग संभाग को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के कुलपति का दायित्व सौंपा गया है।

योग अब वैश्विक संस्कृति का हिस्सा बन गई है:राज्यपाल हरिचंदन

रायपुर,21 जून 2024(ए)। राज्यपाल ने कहा कि योग एक प्राचीन भारतीय परंपरा है जो अब वैश्विक संस्कृति का हिस्सा बन गई है। योग के माध्यम से देश-विदेश के योगी एक-दूसरे से जुड़ रहे हैं और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दे रहे हैं। यह उद्गार राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने अंतर्राराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित योग शिविर में व्यक्त किया।

राजभवन में आयोजित योग शिविर में राज्यपाल हुए शामिल

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन आज राजभवन मे अंतर्राराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित योग शिविर मे शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली को प्रोत्साहित करता है। ध्यान और योग से मानसिक शांति मिलती है, जिससे समाज में सकारात्मकता सोच बढ़ती है। यह शरीर के साथ-साथ मन को भी स्वस्थ रखता है और हमें बीमारियों से बचाता है। अगर कोई किसी बीमारी से पीड़ित है तो उसके ईलाज के लिए नियमित योग कारगर साबित होता है।राज्यपाल ने कहा कि योग हमारे शरीर, मन, विचार और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। यह स्वास्थ्य और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करता है। योग सिर्फ व्यायाम नहीं है बल्कि शारीरिक और बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होता है। यह स्वयं के साथ-साथ दुनिया और प्रकृति के साथ एकत्व की भावना लाती है। उन्होंने कहा कि योग हमारी जीवनशैली में बदलाव लाकर और प्राकृतिक बदलावों के जरिए शरीर को स्वस्थ बनाने में मददगार साबित होता है। योग न केवल हमें स्वस्थ रहता है बल्कि हमारे आचरण, विचार और व्यवहार में भी बदलाव आता है। यह वास्तव में हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे देश की योग विद्या को आज वैश्विक मान्यता मिली है। कार्यक्रम में योग आयोग से आए हुए प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में राजभवन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक योगाभ्यास किया। राज्यपाल ने योग आयोग के प्रशिक्षको को राजकीय गमछा, फल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

सीएम विष्णुदेव साय, मंत्री, विधायकों के साथ सैकड़ों ने किया योगा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अंतर्राराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास में हुए शामिल। मुख्यमंत्री के साथ सैकड़ों की संख्या में लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ रहने का दिया संदेश। राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान मे 10 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास किया गया। स्वयं और समाज के लिए योग थीम पर विश्व भर में मनाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक राजेश मूणत, गुरू खुशवंत, अनुज शर्मा अनेक विधायक एवं लोग मौजूद रहे। योगाभ्यास में स्वस्फूर्त लोगों की बड़ी भागीदारी रही।

योग हमें अध्यात्म और स्वस्थ से जोड़ता है:सीएम

अंतर्राराष्ट्रीय योग दिवस पर सीएम विष्णुदेव साय ने बताया कि, योग का अर्थ होता है जोड़ना, यह हमें अध्यात्म से जोड़ता है। योग स्वस्थ जीवन की तरफ लेकर जाता है। पूरी दुनिया योग को अपना रही है, भारत में भी जागरूकता आई है। हमारे पुराण में शिव जी को आदि योगी कहा गया है। श्री कृष्ण ने भागवत गीता में योग की प्रशंसा की है। विद्यार्थियों से कहना चाहूंगा यदि आप योग को अपने दिनचर्या में शामिल कर लेंगे, तो इससे आपका विद्यार्थी जीवन संवर जाएगा।

छत्तीसगढ़ में उप चुनाव के तारीख का ऐलान जल्द

» रायपुर दक्षिण सीट रिक्त होने की अधिसूचना जारी

रायपुर,21 जून 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से नवनिर्वाचित सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने राज्य विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। इसकी वजह से इस सीट को रिक्त घोषित कर दिया गया है। इस संबंध में सरकार की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके साथ ही रायपुर दक्षिण सीट पर उपचुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

जानकारों के अनुसार विधानसभा या लोकसभा की सीट रिक्त होने की अधिसूचना जारी किए जाने के 6 महीने के भीतर उस सीट पर उपचुनाव कराया जाना अनिवार्य है।

बृजमोहन अग्रवाल ने 17 जून को विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दिया है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से मंजूर कर लिया था। ऐसे में इस सीट को 17 जून से ही रिक्त घोषित कर दिया गया है। अब इस सीट पर 17 दिसंबर से पहले उप चुनाव की प्रक्रिया चुनाव आयोग को पूरी करनी होगी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त बनाए गए रिटायर्ड आईएएस अजय सिंह

रायपुर,21 जून 2024(ए)। बीजेपी सरकार ने रिटायर्ड आईएएस अजय सिंह को राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्ति दी है। आदेश में लिखा है, क्रमांक एफ 10-28/2010/1/5 भारत के संविधान के अनुच्छेद 243 (ट) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, एतद्द्वारा श्री अजय सिंह (सेवानिवृत्त) आईएएस 1983 को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग में राज्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करते हैं।

एक आईएएस अधिकारी का किया गया तबादला

दो को मिली अतिरिक्त जिम्मेदारी

रायपुर,21 जून 2024(ए)। लोकसभा चुनाव के समाप्त होते ही सरकार एक्शन मोड में आ गई है। सरकारी विभाग में तबादलों का दौर शुरू हो चुका है। आज छत्तीसगढ़ सरकार ने एक आईएएस अफसर का तबादला और दो अन्य को अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। जारी आदेश आईएएस रजत बंसल और आईएएस कुलदीप शर्मा एवं आईएएस नम्रता जैन का नाम शामिल है।

उच्च न्यायिक सेवा के जजों के हुए तबादले

हाई कोर्ट ने जारी किया आदेश

रायपुर,21 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने उच्च न्यायिक सेवा के सदस्यों का तबादला आदेश जारी किया है। रजिस्ट्रार जनरल बलराम प्रसाद वर्मा के हस्ताक्षर से यह आदेश जारी किया गया है।

सरकारी जमीन निजी लोगों को आवंटित करने के नियम में होगा संशोधन

» शासन ने जनहित याचिका को लेकर हाई कोर्ट में दिया जवाब...

बिलासपुर,21 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शासन काल में निजी व्यक्तियों को सरकारी जमीन आवंटित करने के लिए बनाये गए नियम को चुनौती देने वाली याचिका को शासन का जवाब आने के बाद हाईकोर्ट ने निराकृत कर दिया है।

प्रदेश में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 11 सितंबर 2019 को 7500 वर्ग फीट तक की सरकारी जमीन निजी व्यक्तियों को आवेदन और नीलामी के आधार पर आवंटित करने का निर्णय लिया था। इसके विरुद्ध भाजपा नेता सुशांत शुक्ला, मधुकर द्विवेदी, कमल सिंह इत्यादि की ओर से हाईकोर्ट में जनहित याचिका लगाई गई थी। इसमें कहा गया था कि इस तरह के आवंटन से भू माफिया और कुछ उच्च आय वर्ग

के लोगों को ही लाभ मिलेगा, जबकि सामान्य आय वर्ग के लोग वंचित रह जाएंगे। इसके अलावा पूर्व विधायक नवीन मार्कंडेय ने भी याचिका लगाई थी और कहा था कि इस आदेश का फायदा कुछ बड़े कारोबारी उठा रहे हैं और सरकार अपने लोगों को हजारों वर्ग फीट जमीन आवंटित कर रही है।

पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार से सभी जिलों में आवंटित सरकारी भूमि की सूची मांगी थी। हाई कोर्ट में शासन की ओर से बताया गया कि जमीन आवंटन के निर्णय पर पुनर्विचार किया जा रहा है। इस संबंध में आदेश शीघ्र जारी किया जाएगा। शासन के जवाब के बाद हाईकोर्ट ने इस मामले को लेकर दायर सभी जनहित याचिकाएं निराकृत कर दी।

हाईकोर्ट ने पटवारियों का तबादला आदेश किया निरस्त

नियम के खिलाफ भेजे गए थे दूसरे जिलों में

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पटवारियों को दूसरे जिलों में स्थानांतरित करने के आदेश को निरस्त कर दिया है। इस मामले की सुनवाई के दौरान ही कोर्ट ने राजस्व सचिव के आदेश पर स्थगन दे दिया था

बिलासपुर, राजनांदगांव तथा अन्य जिलों के करीब 20 पटवारियों को राजस्व सचिव ने अक्टूबर 2022 में अन्य जिलों में स्थानांतरित किया था। इसके खिलाफ प्रभावित पटवारी सूरज दुबे, फिरोज आलम, राजेंद्र साहू, अनादि शर्मा इत्यादि ने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से याचिकाएं दायर की थी। याचिका में बताया गया कि भू राजस्व संहिता की धारा 104 के तहत पटवारी की नियुक्ति और उनकी सेवाओं पर अधिकार कलेक्टर को दिया गया है। दूसरे जिलों में तबादले का अधिकार राजस्व विभाग को नहीं है। दूसरे जिलों में स्थानांतरित करने से उनकी वरिष्ठता भी प्रभावित होगी। शासन का पक्ष सुनने के बाद हाई कोर्ट ने तबादला आदेश निरस्त कर दिया है।

छत्तीसगढ़ के ये विश्वविद्यालय हुए डिफाल्टर घोषित

रायपुर,21 जून 2024(ए)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने लोकपाल नियुक्त नहीं करने पर विश्वविद्यालयों को डिफाल्टर घोषित कर दिया है। डिफाल्टर कॉलेजों की लिस्ट में छत्तीसगढ़ के पांच राज्य विश्वविद्यालयों के भी नाम शामिल हैं।

प्रत्येक विश्वविद्यालय को यूजीसी के नियमों के अनुसार छात्रों की शिकायतों के निराकरण के लिए लोकपाल नियुक्त करना है।

ये विश्वविद्यालय हैं शामिल

आयुष एंड हेल्थ साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ छत्तीसगढ़
छत्तीसगढ़ कामधेनु विश्वविद्यालय
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
महात्मा गांधी उद्यानिकी एंड वानिकी विश्वविद्यालय सांकरा दुर्ग
शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय दुर्ग

इसके पहले भी लिस्ट जारी हुई थी जिसमें इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का नाम शामिल था।

यूजीसी की तरफ से जारी सूची में देशभर के 108 राज्य विश्वविद्यालय, 47 निजी विश्वविद्यालय और दो डीम्ड विश्वविद्यालयों के नाम शामिल है। यूजीसी ने ईमेल आइडी जारी कर निर्देश दिया है कि जो विश्वविद्यालय लोकपाल नियुक्त कर चुके हैं अथवा बाद में करेंगे तो ईमेल के जरिए लोकपालों की जानकारी साझा कर सकते हैं।

एक इनामी समेत 9 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर,21 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ का नक्सल प्रभावित जिला बीजापुर में नक्सलियों के आतंक के बीच सुरक्षाबलों को लगातार सफलता मिल रही है। इसी कड़ी में आज 1 लाख रुपये के इनामी नक्सली समेत 9 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। ये बासागुड़ा थाना, उसूर और तर्रेम में अलग-अलग जगह की कार्रवाई है। बताया जा रहा है कि ये सभा नक्सली फायरिंग, ढ्ढश्वष्ठ ब्लास्ट, आगजनी, जैसे घटनाओं में शामिल थे।अधिकारी ने बताया कि इनमें से आठ को उसूर थाना

क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया, जबकि एक को नैमेड़ थाना क्षेत्र से बंदी बनाया गया। पुलिस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'गिरफ्तार किए गए सभी कैडर प्रतिबंधित माओवादी आंदोलन के सक्रिय सदस्य थे और कथित तौर पर सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने के लिए आईईडी लगाने, सड़कों को नुकसान पहुंचाने और पोस्टर एवं बैनर लगाने की घटनाओं में शामिल थे। ये आठ लोग पिछले महीने कई स्थानों पर उसूर-अवापल्ली सड़क को नुकसान पहुंचाने और बंद के समर्थन में माओवादी बैनर और पर्चे लगाने में कथित रूप से शामिल थे।' बयान में कहा गया है कि अवलम आयतु (49) को जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) ने नैमेड़ इलाके से गिरफ्तार किया है तथा वह इलाके में पुलिसकर्मियों पर हमले की घटना में वांछित था।

वार रुकवाने वाले पॉ-पॉ,पेपर लीक नहीं रुकवा पाए : भूपेश बघेल

रायपुर,21 जून 2024(ए)। नीट परीक्षा मामले में भूपेश बघेल ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा, ये सिर्फ़ पेपर लीक भर नहीं है, यह एक महाघोटाला है। वार रुकवा दी पॉ-पॉ ने अगर तो पेपर लीक क्यों नहीं रुकवा पाए?

1. यूजीसी-नेट की तरह ही नीट की परीक्षा को तत्काल रद्द किया जाए ।
2. किसी स्वतंत्र एजेंसी से इस महाघोटाले की जाँच कराई जाए।
3. शिक्षा मंत्री और एनटीए अध्यक्ष को बर्खास्त किया जाए और उसके खिलाफ एफ आई आर भी हो।

बता दें कि नीट यूजी 2024 में कथित गड़बड़ी से उपजे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक बार फिर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। एमबीबीएस, बीडीएस समेत विभिन्न मेडिकल कोर्सेज में नीट यूजी स्कोर के आधार पर दाखिले के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया पूर्व निर्धारित तिथि 6 जुलाई से ही शुरू होगी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एस वी एन भट्टी की अवकाश कालीन पीठ ने कुछ नई याचिकाओं पर एनटीए से जवाब मांगा है।शीर्ष अदालत ने इन नई याचिकाओं को इसी मुद्दे से जुड़ी अन्य लंबित याचिकाओं के साथ सूचीबद्ध कर दिया है जिन पर 8 जुलाई को सुनवाई होगी। याचिकाकर्ता के वकील ने अनुरोध किया कि काउंसलिंग 6 जुलाई से स्थगित कर दी जाए क्योंकि सुप्रीम कोर्ट 8 जुलाई को नीट यूजी परीक्षा को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है।

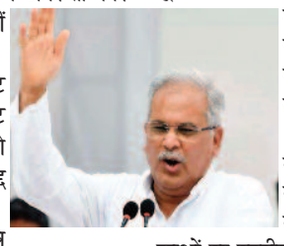

छत्तीसगढ़ को देश में कृषि एवं प्रसंस्कृत सुपरफूड का पावर हाउस बनाने पर हुआ विचार-विमर्श

रायपुर,21 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ को देश में कृषि एवं प्रसंस्कृत सुपरफूड का पावर हाऊस बनाने पर आज नवा रायपुर स्थित राज्य नीति आयोग में कृषि एवं वानिकी विषय पर गठित की गई वर्किंग ग्रुप की बैठक हुई। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, बागवानी फसलों, कृषि के क्षेत्र में बुनियादी ढ़ाचे में सुधार सहित अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में कृषि एवं वानिकी से संबंधित लक्ष्य, चुनौतियां एवं सामर्थ्य विषय पर विस्तार से चर्चा की गई तथा वर्किंग समिति के सदस्यों द्वारा सुझाव दिए गए। ''अमृतकाल÷ छत्तीसगढ़ विजनञ्च2047'' डॉक्यूमेंट तैयार करने का सिलसिला जारी है। ÷कृषि एवं वानिकी÷ विषय पर गठित वर्किंग समिति की द्वितीय बैठक में वानिकी उत्पादों के साथ मजबूत ब्रांड का निर्माण करने, खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों का कार्यान्वयन, कौशल उन्नयन और बुनियादी ढांचे में निवेश, फसलों का पैदावार बढ़ाने ,मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए बागवानी पर ध्यान केंद्रित करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में कृषि सेवा केन्द्र को बढ़ाने, किसानों के लिए पर्याप्त ऋण सुविधा उपलब्ध कराने, मृदा जांच तथा छत्तीसगढ़ को जड़ी बूटी और वनोपज के केंद्र के रूप में विकसित करने, वनोपज व्यापार केंद्र बनाने, भंडारण प्रसंस्करण और परिवहन के लिए बुनियादी ढांचा बनाने, किसानों को सक्षम बनाने राज्य सरकार द्वारा की जा रही पहल, लघु वन उपजों की मजबूती, जल और सिंचाई की पर्याप्त उपलब्धता सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

आरंग मॉब्लीचिंग के आरोपियों को फांसी देने की मांग पर अड़े मुस्लिम समाज

रायपुर,21 जून 2024(ए)। मुस्लिम समाज ने आरंग मॉब्लीचिंग के आरोपियों को फांसी देने की मांग की है। आज मोतीबाग के पास मुस्लिम समाज मुस्लिम ब्रदरहुड ने प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शन में सिख समुदाय, ईसाई समुदाय और सतनामी समुदाय के लोग भी शामिल हुए। बता दें कि 7 जून को सहारनपुर के 2 युवकों की छत्तीसगढ़ में मॉब लिंचिंग में हत्या कर दी गई। आधी रात को आरंग थाना क्षेत्र में 3 युवक एक ट्रक में जानवर भरकर ले जा रहे थे। एक पुलिस अफसर के मुताबिक रास्ते में 10-12 युवकों ने

उनका पीछा किया। उन लोगों ने ट्रक को महानदी पुल पर घेर लिया। इसके बाद ट्रक में सवार तीनों युवकों की जमकर पिटाई कर दी। इनमें से एक युवक की लाश महानदी में मिली, दूसरे की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। अब तीसरे युवक ने दम तोड़ दिया है।एसआईटी का गठन - इस मामले की जांच पड़ताल के लिए रायपुर एसएसपी ने एसआईटी का गठन किया है। स्पेशल जांच टीम इस पूरे मामले में बारीकी से जांच पड़ताल करेगी। इस टीम का नेतृत्व रायपुर ग्रामीण एडिशनल एसपी कीर्तन राठौर को सौंपा गया है। इसके अलावा टीम में करीब 14 पुलिस अफसर शामिल है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)